

BRIEF NEWS

एमएमसीएच में फेको मशीन से ऑपरेशन शुरू

PALAMU : पलामू के मेडिनी राय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल



(एमएमसीएच) के नेत्र विभाग में गुरुवार से अत्यधिक फेको मशीन के जरिए मोतियाबिंद ऑपरेशन की शुरुआत कर दी गई है। इस मशीन के चालू होने से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को राहत मिलेगी। इनका आधुनिक इलाज मुफ्त में उपलब्ध हो सकेगा। इस मशीन की खरीद पर सरकार ने 60 लाख रुपये खर्च किया है। नेत्र विशेषज्ञों का कहना है कि फेको मशीन से मोतियाबिंद का ऑपरेशन बेहद छोटे चिर के जरिए कर दिया जाता है। इससे मरीज को कम दर्द होता है। ऑपरेशन के बाद आंखों की रोशनी भी जल्दी वापस आ जाती है। मरीज को लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की जरूरत नहीं पड़ती। निजी अस्पतालों में फेको मशीन से मोतियाबिंद ऑपरेशन करने में एक मरीज का 70 हजार से 80 हजार रुपये तक का खर्च आता है। एमएमसीएच में यह मशीन आ जाने से गरीबों का यह पैसा बचेगा और उनका मुफ्त इलाज हो सकेगा। एमएमसीएच के नेत्र विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि फेको मशीन आ जाने से अब सुविधा और बेहतर होगी। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि इस सुविधा के शुरू हो जाने से पलामू जिले और आसपास के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा।

हिरासत में लिया गया दुष्कर्म का आरोपी

HAZARIBAG : बरही में करीब दो वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने नाबालिग आरोपी को हिरासत में ले लिया है। आरोपी बालक को बरही महिला थाना सह बाल संरक्षण इकाई की टीम ने पकड़ा है। मामले में पीड़िता तथा नाबालिग आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। महिला थाना सह बाल कल्याण थाना की प्रभारी किरण करयप ने बताया कि आरोपी बालक नाबालिग है, जिसे रिमांड होम भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि पीड़िता की मां के बयान पर बुधवार की रात में ही प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी। यह मामला बुधवार की शाम करीब आठ बजे सामने आया, जब पीड़िता की मां अपनी बच्ची को गोद में लेकर परिजनों के साथ रोते बिलखते बरही अनुमंडल अस्पताल पहुंची। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बच्ची को इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़िता की मां ने बताया कि पड़ोसी का बेटा बच्ची को गोद में खेलाने के बहाने ले गया था। कुछ देर बाद बच्ची की हालत बिगड़ी हुई मिली। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की जा रही थी।

पतरातु में बालू लदे तीन डंपर जब्त

RAMGARH : रामगढ़ डीसी फ्रैंज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर

खनन विभाग ने एक बार फिर अभियान चलाया। गुरुवार को माइनिंग इंस्पेक्टर राहुल कुमार की ओर से पतरातु क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान बालू लदा तीन डंपर जब्त किया गया है। माइनिंग इंस्पेक्टर राहुल कुमार की ओर से औचक जांच के क्रम में पतरातु थानान्तर्गत रेलवे फाटक के पास सौदा की ओर से आते हुये तीन बालू लदे डंपर (जेएच 02 एक्स 9661) पर 783.75 घन फीट, (जेएच 02 एवाई 7452) पर 783.75 घन फीट और (जेएच 13 एफ 4486) पर 836 घन फीट बालू जब्त किया गया। जांच के क्रम में बालू से संबंधित परिवहन चालान नहीं पाया गया। तीनों डंपर को बालू खनिज सहित विधिवत जब्त कर वाहन मालिक, चालक तथा अन्य संबंधित लोगों के विरुद्ध पतरातु थाने में प्राथमिकी 23/26 दर्ज कराई गई।

सोमा मुंडा की पत्नी ने रखी सीबीआई जांच की मांग

KHUNTI : चर्चित पहड़ा राजा सोमा मुंडा हत्याकांड को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। मृतक सोमा मुंडा की पत्नी अमृता तिकी ने झारखंड सरकार से इस हत्याकांड की जांच स्वतंत्र जांच एजेंसी सीबीआई से कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री सचिवालय, रांची को लिखित आवेदन सौंपा है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि उनके पति पहड़ा राजा सोमा मुंडा की हत्या 7 जनवरी 2026 को खुंटी जिले के जामुआडगा क्षेत्र में अपराधियों ने कर दी थी। इस हत्याकांड में अब तक जिला पुलिस प्रशासन मुख्य साजिशकर्ता और अपराधियों की गिरफ्तारी में विफल साबित हो रहा है, जिससे पीड़ित परिवार सहित समस्त आदिवासी मूलवासी समाज और राज्य की सामाजिक-राजनीतिक संरचना में भारी आक्रोश है। अमृता तिकी ने अपने आवेदन में कहा है कि पुलिस की धीमी कार्यवाही के कारण लोगों का भरोसा टूट रहा है और न्याय मिलने को लेकर संशय बना हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि जनता के विश्वास की बहाली और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए इस हत्याकांड की जांच सीबीआई जैसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए। आवेदन की प्रतिलिपि गृह सचिव झारखंड सरकार, पुलिस महानिदेशक रांची, उपायुक्त खुंटी, पुलिस अधीक्षक खुंटी सहित संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है।

बसंत पंचमी देवघर में आज धूमधाम से मनेगी सरस्वती पूजा, बाबा बैद्यनाथ धाम में तिलकोत्सव की अनूठी परंपरा

आज भोलेबाबा का होगा विशेष जलाभिषेक, भक्त लगाएंगे तिलक

PHOTON NEWS DEOGHAR :

बसंत पंचमी 23 जनवरी को पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाएगी। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को पड़ता है और वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इसी दिन सरस्वती पूजा के रूप में विद्या, बुद्धि, संगीत और कला की देवी को सरस्वती की आराधना की जाती है। शिक्षा, ज्ञान और रचनात्मकता से जुड़े इस पर्व का धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। धार्मिक दृष्टि से बसंत पंचमी को देवी सरस्वती के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन मां सरस्वती का अवतरण हुआ था, इसलिए विद्यार्थी, शिक्षक, कलाकार और संगीत साधक विशेष श्रद्धा से



समय, दर्शन और प्रशासनिक व्यवस्था

बसंत पंचमी के अवसर पर बाबा बैद्यनाथ धाम में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। जिला प्रशासन के अनुसार, इस दिन वीआईपी और वीवीआईपी दर्शन पर शुल्क रहेगी। शीघ्र दर्शन शुल्क : 600 रुपये

पूजा-अर्चना करते हैं। इस अवसर पर लोग पुस्तकों, कलम, वाद्ययंत्र और शैक्षणिक सामग्री को देवी के

मंदिर पर खुलने का समय : प्रातः 3:05 बजे दर्शन समाप्त : रात्रि 9 बजे श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए समय से पहले यात्रा की योजना बनाने की अपील की है।

चरणों में अर्पित कर विद्या और विवेक की कामना करते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार,

इसी दिन देवी पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या भंग करने के लिए कामदेव को भेजा था, जिससे प्रेम,

ग्रामीणों ने ठप किया केबीपीएल कंपनी का काम, सांसद ने दी आंदोलन की चेतावनी

नौकरी व मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीण हुए उग्र, सांसद खीरू महतो कर रहे नेतृत्व

AGENCY RAMGARH :

जिले के वेस्ट बोकारो क्षेत्र में केबीपीएल (ऋषय बायो प्युअल प्राइवेट लिमिटेड) कंपनी के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूटा है। नौकरी और मुआवजे की मांग को लेकर लोगों ने कंपनी का काम ठप कर दिया है। गुरुवार को कंपनी के कर्मचारी काम करने के लिए माइंस एरिया में घुसने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन ग्रामीणों के उग्र प्रदर्शन के कारण काम शुरू नहीं हो पाया इस बार गुस्साए ग्रामीणों को नेतृत्व राज्यसभा सांसद खीरू महतो कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना के नाम पर सीसीएल ने जमीन अधिग्रहण किया इसके बाद काम निजी कंपनी



जादेबाजी करती महिलाएं

केबीपीएल को दे दिया। अब ग्रामीण मुआवजे और नौकरी के लिए तय रहे हैं। वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र के घाटों-चरही मार्ग पर करमटिया मोड़ के पास स्थित बसंतपुर परियोजना के प्रभावित ग्रामीणों ने रोजगार और उचित मुआवजे की मांग को लेकर बड़ा

प्रदर्शन किया। इस आंदोलन में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, पुरुष और युवा शामिल हुए। **ढोल-नगाड़े के साथ सड़क पर उतरे सांसद** : राज्यसभा सांसद खीरू महतो (जेडीयू) ने इन ग्रामीणों का नेतृत्व किया। लोग कंपनी को विरोध में ढोल-नगाड़ों

के साथ सड़क पर उतरे। उनके साथ प्रदर्शनकारियों ने न सिर्फ नारे लगाए, बल्कि करीब सात घंटे तक सड़क को पूरी तरह जाम रखा। प्रदर्शन करने वाले ग्रामीणों का कहना है कि सीसीएल ने बसंतपुर परियोजना के लिए उनकी जमीन 30 से 35 साल पहले ही ले ली थी। उस समय कंपनी ने वादा किया था कि जमीन के बदले उचित मुआवजा और परिवार के सदस्यों को नौकरी दी जाएगी। लेकिन आज तक न तो पूरा मुआवजा मिला और न ही रोजगार। इन परियोजना से पांच गांव पूरी तरह प्रभावित हुए हैं। जमीन चली गई, खेती-बाड़ी चौपट हो गई, लेकिन दूसरी पीढ़ी भी खत्म होने को

आई और सीसीएल की ओर से सिर्फ आश्वासन ही मिलते रहे। ग्रामीण बताते हैं कि उन्होंने कई बार लिखित आवेदन दिया और बैठक करने को कहा, लेकिन कंपनी प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अब सब्र का बांध टूट चुका है। वहीं प्रभावित ग्रामीणों ने कहा, हमारी जमीन पर आज सीसीएल की केबीपीपी (कोतर-बासंतपुर-पचमो प्रोजेक्ट) भी चल रही है। कोयला निकाल रहा है, कंपनी कमाई कर रही है, लेकिन हमें कुछ नहीं मिला। हमारे बच्चे बेरोजगार घूम रहे हैं। कंपनी सिर्फ कागजों पर वादे करती है, अमल कुछ नहीं करती है। मौके पर सांसद ने कहा कि यह सिर्फ

कुछ लोगों का नहीं, बल्कि पूरे पांच गांवों का मुद्दा है। जमीन अधिग्रहण के बदले नौकरी और मुआवजा मिलना चाहिए। यह मामला 30 साल से ज्यादा समय से लंबित है। कंपनी ने कई बार लिखित में आश्वासन दिए, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। इसलिए लोग गुस्से में हैं। सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा कि बैठक में कोई हल नहीं निकला तो वे और सख्त कदम उठाएंगे। कोयला निकाल रहा है, कंपनी कमाई कर रही है, लेकिन हमें कुछ नहीं मिला। हमारे बच्चे बेरोजगार घूम रहे हैं। कंपनी सिर्फ कागजों पर वादे करती है, अमल कुछ नहीं करती है। मौके पर सांसद ने कहा कि यह सिर्फ

रामगढ़ के दयाल स्टील प्लांट में चोरी करने वाले सात बदमाश गिरफ्तार

PHOTON NEWS RAMGARH :

रामगढ़ थाना क्षेत्र के छतरमांडू स्थित दयाल स्टील प्लांट में चोरी की घटना को अंजाम देने वाले गिरोह के सात सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों के पास से पुलिस ने चुराया गया तीन लाख रुपये का कॉपर बरामद किया है। इसके अलावा उनके पास से एक देसी कड़ा, दो कारतूस, टाटा मैजिक वाहन, बोलोरो पिकअप वैन और सभी बदमाशों के मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह बदमाश जहां भी घटना को अंजाम देने जाते थे, बोलोरो पिकअप वैन से जाते थे। इसके अलावा टाटा मैजिक वैन भी ले जाते थे। तब, उस पर सामान लादकर लाया जा सके। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी अजय कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि चोर गिरोह के

पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन लाख का कॉपर और एक लाख रुपये नकद समेत अन्य सामान किए बरामद



प्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी अजय कुमार

कुछ सदस्य बोलोरो पिकअप वैन पर सवार होकर कहीं चोरी करने जा रहे हैं। इस पर पुलिस ने वाहन चेंकिंग अभियान शुरू किया। छतरमांडू के पास चेंकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की बोलोरो पिकअप वैन उधर से गुजरी। पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया। लेकिन, ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी। इस पर पुलिस कर्मियों ने वहां से गाड़ी का पीछ

कर उसे रोक लिया। एसपी ने बताया कि जो अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं, उनमें बोकारो जिले के गोमिया थाना क्षेत्र स्थित सलेम गांव का रहने वाला अख्तर, स्वांग पुराना माइंस क्वार्टर का सनी कुमार, नागेश्वर बेलदार उर्फ हनी, हजारीबाग के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के कंसरा मोहल्ला का रहने वाला रणधीर कुमार, बोकारो के पेटरवार थाना

क्षेत्र के तीनों घाट का रहने वाला पंकज कुमार और गोमिया स्टेशन रोड का रहने वाला गौरी कुमार शामिल हैं। इनके पास से एक लाख तीन हजार रुपये नकद भी बरामद हुआ है। बरामद रुपये के बारे में बदमाशों ने बताया कि उन्होंने दयाल स्टील प्लांट में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। उसी समान को बेचकर यह रकम एकत्र हुई है। एसपी अजय कुमार ने बताया कि चोर गिरोह के चार बदमाशों का आपराधिक इतिहास है। गौरी कुमार काठौटाई थाना क्षेत्र में लूटपाट के मामले में जेल गया था। मुकेश कंसरा टाटी झरिया और बेरमो इलाके में लूटपाट की घटना में जेल गया था। रणधीर कुमार ने विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम दिया था। सनी कुमार ने इचाक थाना क्षेत्र में लूटपाट की थी।

मुंबई से लापता दिव्यांग युवक 31 दिनों के बाद हुआ बरामद

PALAMU : मुंबई से लापता दिव्यांग युवक 31 दिन बाद सकुशल बरामद कर लिया गया है। दिव्यांग युवक पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत डेमा गांव का निवासी है, जो 21 दिसंबर 2025 को मुंबई में लापता हो गया था। दिव्यांग युवक अपने भाई के पास मुंबई गया हुआ था, जहां से वह अचानक लापता हो गया। परिजनों ने इसकी सूचना पलामू पुलिस को नहीं दी थी और वे मुंबई में अपने स्तर से युवक की खोजबीन कर रहे थे। इस बीच 20 जनवरी को नवी मुंबई निवासी करण जोशी ने हरिहरगंज थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार को फोन कर जानकारी दी कि उनके पास एक दिव्यांग युवक है, जो अपना पता झारखंड के पलामू जिले के हरिहरगंज क्षेत्र का बता रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने युवक



दिव्यांग युवक

का फोटो और वीडियो मंगवाया तथा हरिहरगंज थाना क्षेत्र में उसकी पहचान की प्रक्रिया शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पृष्ठ हुई कि दिव्यांग युवक डेमा गांव का रहने वाला है। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को इसकी सूचना दी। परिजनों की पुष्टि के बाद नवी मुंबई से दिव्यांग युवक रिकवर कर लिया गया। हरिहरगंज के थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि युवक भटककर लापता हो गया था।

मोहम्मदगंज स्टेशन पर कल से होगा गरीब रथ एक्सप्रेस का ठहराव



PALAMU : रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस अब पलामू जिले के मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर ठहराएगी। शुक्रवार 23 जनवरी से यह ठहराव शुरू हो जाएगा। इसे लेकर, रेलवे ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिया है। पलामू के सांसद विष्णु दयाल राम शुक्रवार को रात 10 बजे मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस कार्यक्रम में मोहम्मदगंज, हैदर नगर, उंटारी रोड, कांडी आदि प्रखंड के लोग शामिल होंगे। सांसद ने रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस के मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर ठहराव की मांग रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की थी। सांसद ने बताया कि इस ट्रेन से रोज बड़ी संख्या में छात्र, नौकरी पेशा व्यक्ति, व्यापारी, आदि का दिल्ली आना जाना होता है। मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव से मोहम्मदगंज के अलावा हैदर नगर, ऊंटारी रोड और कांडी के लोग बिहार सीमा से लगे गांव के लोगों को फायदा होगा।

देवघर में गोरखपुर-आसनसोल ट्रेन से टकराया ट्रक, दो बाइक सवार घायल

PHOTON NEWS DEOGHAR : देवघर जिले में गुरुवार की सुबह एक बड़ा रेल हादसा होत-होते टल गया। हावड़ा-झरखंडीमुख मार्ग पर रोहिणी नावाडीह फाटक के पास उस समय अफरातफरी मच गई, जब गोरखपुर-आसनसोल पैसंजर ट्रेन की एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। घटना ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था और फाटक संचालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे में दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि रेल और सड़क यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह ठप हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना उस समय हुई जब जसीडीह की ओर से आसनसोल का जही गोरखपुर-आसनसोल ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग पर थी। उसी दौरान देवघर से देवीपुर की ओर जा रहा



घटनास्थल पर लुटी गौड़

एक ट्रक नावाडीह रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचा। बताया जा रहा है कि रेलवे फाटक खुला हुआ था, जिससे ट्रक चालक बिना रुके रेल लाइन पर चले गए। इसी बीच ट्रेन और ट्रक आमने-सामने आ गए। सूत्रों के मुताबिक, खरने को भांपते ही ट्रेन के लोको पावलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाया और रफ्तार कम करने की कोशिश की। हालांकि, ट्रेन पूरी तरह रुक पाती, उससे पहले ही रेल इंजन की ट्रक से टक्कर हो गई। राहत की बात यह रही कि ट्रेन की

गति कम हो चुकी थी, जिससे एक बड़े जानलेवा हादसे से बचाव हो सका। ट्रेन से टकराने के बाद ट्रक अनियंत्रित हो गई और पास में सड़क किनारे खड़ी दो मोटरसाइकिलों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर बताई जा रही है।

दलहन मिशन में प्रशिक्षण के नाम पर भोपाल भेजे गए किसान नाराज

DHANBAD : धनबाद से राष्ट्रीय

खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के दलहन मिशन के तहत प्रशिक्षण के लिए भोपाल (मध्य प्रदेश) भेजे गए किसानों ने प्रशिक्षण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। किसानों का आरोप है कि एक दिन औपचारिक प्रशिक्षण करने के बाद उन्हें टूर प्रोग्राम में लगा दिया गया, जिससे प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य ही भटक गया है। जानकारी के अनुसार, जिले के विभिन्न प्रखंडों से चयनित 48 किसानों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण-सह-भ्रमण कार्यक्रम के तहत भोपाल भेजा जानवरी से प्रशिक्षण शुरू हुआ। किसानों को भोपाल के केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान एवं भारतीय मृदा अनुसंधान संस्थान में भेजे जाने की पद्धतियों, उन्नत बीज, सिंचाई तकनीक, मिट्टी प्रबंधन, आधुनिक कृषि यंत्रों और



प्रशिक्षण के लिए गए किसान

दलहन उत्पादन से जुड़ी जानकारी दी जानी थी। लेकिन एक दिन के चंद घंटे प्रशिक्षण के बाद अधिकतर किसानों को उन्जैन भेज दिया गया। जबकि, आधा दर्जन किसान भोपाल में ही रह गए। भोपाल में रह गए किसानों को अब न तो खाने-पीने की व्यवस्था मिली, ना रहने की। यह स्थिति तब है, जब डीसी स्तर से 19 जनवरी को किसानों को रवाना किया गया था। इसे किसानों की आप बद्धाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया था। लेकिन, एक दिन बाद प्रशिक्षण लगभग ठप हो गया।

कुख्यात मयंक की उलटी गिनती शुरू, छत्तीसगढ़ से खुलेगा अपराधों का पिढारा

PHOTON NEWS RANCHI : अजरबैजान से प्रत्यर्पण के बाद झारखंड लाया गया कुख्यात गैंगस्टर मयंक सिंह अब जांच एजेंसियों के लिए एक अहम कड़ी बन चुका है। भारत लाए जाने के बाद मयंक सिंह उलटी गिनती शुरू हो गई है। उसके गिरोह के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच नए मोड़ पर पहुंच गई है। झारखंड पुलिस के बाद अब छत्तीसगढ़ पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू कर दी है, जिससे कई संगीन अपराधों की परतें खुलने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि मयंक सिंह की जानकारी के आधार पर न सिर्फ छत्तीसगढ़, बल्कि अन्य राज्यों में फैले उसके आपराधिक नेटवर्क का भी खुलासा हो सकता है। बता दें कि देश के कई राज्यों के पुलिस झारखंड एटीएस के संपर्क में हैं। झारखंड एटीएस की कस्टडी अवधि समाप्त होने के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस ने मयंक सिंह से औपचारिक पूछताछ शुरू कर दी है। उसे छत्तीसगढ़ के विभिन्न थानों में दर्ज मामलों की जांच के लिए रिमांड पर लिया गया है। झारखंड एटीएस ने पिछले वर्ष लंबी कानूनी और अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया के बाद मयंक सिंह को अजरबैजान से भारत लाया था। आरोप है कि वह विदेश में रहते हुए रंगदारी, फायरिंग और धमकी जैसे मामलों को संचालित कर रहा था। इसके साथ ही पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी और हवाला के माध्यम से फंडिंग का नेटवर्क भी संचालित रहा था।

अजरबैजान से प्रत्यर्पण के बाद झारखंड लाया गया गैंगस्टर जांच एजेंसियों के लिए बन चुका है अहम कड़ी झारखंड एटीएस की कस्टडी समाप्त होने के बाद छग पुलिस ने शुरू की पूछताछ, कई परतें खुलने की उम्मीद

गिरोह के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच नए मोड़ पर, अन्य राज्यों में फैले उसके आपराधिक नेटवर्क का भी हो सकता खुलासा

विदेश में रहते हुए रंगदारी, फायरिंग और धमकी जैसे मामलों को संचालित करने का आरोप

पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी और हवाला के माध्यम से फंडिंग का नेटवर्क भी संचालित रहा था मयंक

पूर्व में हुई पूछताछ के दौरान उसके नेटवर्क, आर्थिक लेन-देन और अन्य राज्यों में सक्रिय गुगों को लेकर कई अहम जानकारीयां आई थीं सामने



संयुक्त कार्रवाई से पूरे गिरोह को किया जाएगा ध्वस्त

केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि कई अन्य राज्यों की पुलिस भी झारखंड एटीएस के लगातार संपर्क में है। विभिन्न राज्यों में मयंक सिंह और उसके नेटवर्क के खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी साझा की जा रही है, ताकि संयुक्त कार्रवाई के जरिए पूरे गिरोह को ध्वस्त किया जा सके। मयंक से जुड़े मामलों की केंद्र डायरी और विवरण एटीएस के माध्यम से समन्वित किए जा रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर अन्य राज्यों की पुलिस टीमों रांची आकर पूछताछ कर सकती हैं या पोस्टमन वार्ंट के जरिए उसे अपने राज्यों में ले जा सकते हैं। मयंक सिंह के स्वीकाराधिक बयान और उससे जुड़े डिजिटल तथा वित्तीय साक्ष्यों से हथियार तस्करी, फाइनेंसिंग की गतिविधियां और हवाला चंचल को लेकर नई जानकारीयां सामने आई हैं।

ऋषभ झा, एसपी, झारखंड एटीएस।

हत्या और रंगदारी सहित 45 मामले दर्ज

एटीएस के अनुसार, छत्तीसगढ़ में मयंक सिंह के खिलाफ हत्या, रंगदारी, फायरिंग, धमकी और आपराधिक साक्षियों से जुड़े करीब 45 से अधिक छोटे-बड़े मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय तक विदेश में रहते हुए अपने गिरोह को दूर से नियंत्रित करता रहा। पूर्व में हुई पूछताछ के दौरान उसके नेटवर्क, आर्थिक लेन-देन और अन्य राज्यों में सक्रिय गुगों को लेकर कई अहम जानकारीयां सामने आई थीं। इन्हीं तथ्यों के आधार पर अब छत्तीसगढ़ पुलिस वहां दर्ज मामलों की अलग-अलग स्तर पर जांच कर रही है। शुरूआती पूछताछ में मयंक ने पाकिस्तान से हथियारों की ख़ास और हवाला फंडिंग से जुड़े बड़े नेटवर्क को लेकर महत्वपूर्ण संकेत दिए थे। इन जानकारियों के आधार पर पंजाब और राजस्थान पुलिस भी हथियार तस्करी से जुड़ी कड़ियों की पहचान में जुटी है। भारत में चल रही कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए मयंक सिंह ने विदेश को अपना सुरक्षित ठिकाना बना लिया था। अजरबैजान में बैठकर वह खादसूप कॉल, वीडिओआईपी और इंटरनेट आधारित संचार माध्यमों के जरिए अपने गिरोह को निर्देश देता था। झारखंड एटीएस और राज्य पुलिस ने तकनीकी सूचनाओं, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और लंबी प्रक्रिया के बाद उसे अजरबैजान से प्रत्यर्पित कराया। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि मयंक सिंह के माध्यम से न सिर्फ उसके गिरोह बल्कि उससे जुड़े अंतरराष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के कई छिपे फलतुल उजागर हो सकते हैं। फिलहाल छत्तीसगढ़ पुलिस की पूछताछ और आगे की कानूनी कार्रवाई पर सभी की नजर बनी हुई है।

सीआईपी और पलामू मेडिकल को किया गया कनेक्ट, शुरू हुई रिपोर्टिंग रेडियोलॉजी का हब बनने की ओर रांची सदर हॉस्पिटल ने बढ़ाया कदम

VIVEK SHARMA @ RANCHI : राज्य सरकार ने झारखंड की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। रांची के सदर अस्पताल को रेडियोलॉजी हब के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस हब के माध्यम से राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों को डिजिटल रूप से जोड़ने की योजना है। इसका पहला कदम भी सदर हॉस्पिटल ने बढ़ा दिया है। सदर के भवन में सेंटर स्थापित कर दिया गया है। इतना ही नहीं, सीआईपी और पलामू मेडिकल कॉलेज को रेडियोलॉजी रिपोर्टिंग में सहयोग भी किया जा रहा है। एएस-रे, सैटी स्कैन और एमआरआई जैसी रेडियोलॉजी टेस्ट की सटीक रिपोर्टिंग की जा रही है। इससे मरीजों का और

सीटी और एमआरआई सेंटर वाले सरकारी अस्पतालों को जोड़ने की तैयारी

कम होगी स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता

डॉ. अनिश ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य रेडियोलॉजी रिपोर्टिंग का टर्नआउट टाइम कम करना है। मरीजों को तुरंत और सटीक निदान उपलब्ध कराना भी है। इसके साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता को कम करना और राज्य के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना भी इस परियोजना का अहम लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि दूर दराज के इलाकों में रेडियोलॉजिस्ट की कमी का भी समाधान है। इस वजह से समय पर टेस्ट की रिपोर्टिंग नहीं हो पाती है। ऐसे में मरीजों का इलाज भी प्रभावित होता है। नई व्यवस्था से मरीजों को कम से कम समय में रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा रेडियोलॉजी की पढ़ाई कर रहे मेडिकल को भी ट्रेनिंग दी जाएगी।



दौड़ लगाने से मिलेगा सुटकारा

डॉ. अनिश के अनुसार, डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल को केंद्रीय रेडियोलॉजी हब से जोड़ने से राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की निदान क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रेडियोलॉजिस्टों की कमी से जुड़ रहे इलाकों की भी समय पर रिपोर्ट मिलने से गंभीर बीमारियों की शीघ्र पहचान और इलाज संभव हो सकेगा। फिलहाल इस रेडियोलॉजी हब से सिप और पलामू मेडिकल कॉलेज से कनेक्ट किया गया है। वहां पर मरीजों को टेस्ट के बाद तुरंत रिपोर्ट मिल रही है। इससे लोगों को दौड़ लगाने की झड़त से भी छुटकारा मिला है।

बीमारी की मिलेगी सटीक जानकारी

इससे मरीजों की बीमारी की सटीक जानकारी मिलेगी। इससे पहले स्वास्थ्य विभाग के सचिव अजय कुमार ने घोषणा की थी कि इस परियोजना को दो चरणों में लागू किया जाएगा। सदर अस्पतालों को इस हब से जोड़ा जाएगा। वहीं मेडिकल कॉलेज भी जुड़ेगी। इससे उन जिलों को विशेष लाभ मिलेगा जहां रेडियोलॉजिस्ट की कमी के कारण रिपोर्टिंग में देरी होती है। इस महत्वकांक्षी परियोजना पर कुल 1 करोड़ 21 लाख 27 हजार 100 रुपये का व्यय अनुमानित है, जिसे सरकार की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके तहत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। पहले 6 जिलों को इससे जोड़ा जाएगा। रेडियोलॉजी तकनीशियनों को भी आधुनिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे एक्स-रे, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी तकनीकी प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से संचालित कर सकें। साथ ही उन्हें टेनिंग भी दी जाएगी कि वे कैसे जांच करें और रिपोर्ट हब को भेजें।

राज्य के सभी जिलों में हेल्थ कैंटेज के निर्माण पर भी दी सहमति झारखंड में खुलेगा आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, केंद्र ने दी मंजूरी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर और आधुनिक बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए केंद्र सरकार ने आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल सहित राज्य के कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। नई दिल्ली में गुरुवार को झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव के साथ उच्चस्तरीय बैठक में यह सहमति दी गई है। बैठक में झारखंड स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। लगभग एक घंटे तक चली इस अहम बैठक में झारखंड को हेल्थ हब के रूप में विकसित करने को लेकर गहन चर्चा हुई। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार की योजनाओं पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कई बड़े प्रस्तावों को हरी झंडी दी, जिससे झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार की उम्मीद जगी है। झारखंड में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की स्थापना को लेकर रहा। खनिज और औषधीय पौधों से समृद्ध होने के बावजूद अब तक राज्य में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज नहीं था। इस विषय को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने गंभीरता से उठाया और एक सरकारी व एक निजी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज खोलने का प्रस्ताव रखा। केंद्र सरकार ने इस पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी है, जिसे झारखंड के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है।

रांची और चक्रधरपुर रेल मंडल से जुड़े सांवलों की बैठक संपन्न झारखंड की रेल सुविधाओं, यात्री हित और विकास योजनाओं की हुई विस्तृत समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को रांची और चक्रधरपुर रेल मंडल की मंडल स्तरीय सांसदों की एक महत्वपूर्ण बैठक रांची स्थित होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित की गई। बैठक में दोनों रेल मंडलों के अंतर्गत संचालित और प्रस्तावित विकास योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें यात्री सुविधाओं के विस्तार, महिला रेल यात्रियों की सुरक्षा, स्टेशन प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था और क्षेत्रीय जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष चर्चा हुई। बैठक के दौरान सांसदों और दक्षिण

रांची वाले एक्स-रे, सैटी स्कैन, मैमोग्राफी और एमआरआई इमेज का मूल्यांकन कर रिपोर्ट देगे, जिसे संबंधित अस्पताल और मरीजों को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा।

सरस्वती पूजा आज राजधानी के शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों ने पूरी की तैयारी बसंत पंचमी में पहली बार एआई अवतार में दिखेंगी मां शारदे

PHOTON NEWS RANCHI : इस साल शुक्रवार यानी 23 जनवरी को सरस्वती पूजा है। इसे बसंत पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। राजधानी रांची में शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने पूजा की तैयारी पूरी कर ली है। यह दिन कला-विज्ञान की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती को समर्पित माना जाता है। इस दिन देशभर में विद्यार्थी, शिक्षक और कला प्रेमी श्रद्धा भाव से मां सरस्वती की पूजा करते हैं। हर वर्ष बसंत पंचमी का दिन अपने साथ नई ऊर्जा और उल्लास लेकर आता है, लेकिन इस बार यह पर्व और भी खास होने जा रहा है। वजह है इस शुभ अवसर पर बन रहा दुर्लभ संयोग और साथ ही रांची में पहली बार तैयार की जा रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मां शारदे की प्रतिमा, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। बसंत पंचमी और सरस्वती पूजा को लेकर विद्यार्थियों के बीच खासा उत्साह देखा जा रहा है। स्कूलों, कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों में पूजा की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी बीच राजधानी रांची के प्रसिद्ध मूर्तिकार अजय पाल ने इस बार परंपरा और तकनीक का अनूठा संगम प्रस्तुत किया है।

आकर्षण का केंद्र बनीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मां की प्रतिमा ब्लू प्रिंट की मदद से मूर्तिकार अजय पाल ने तैयार किया है मूर्ति का डिजाइन

निर्माण में किसी भी प्रकार के कपड़े का नहीं किया गया है इस्तेमाल

पारंपरिक मिट्टी और केवल प्राकृतिक सामग्री से ही तैयार की गई है प्रतिमा

स्वरूप में आधुनिक तकनीक की झलक

अजय पाल बताते हैं कि इस बार उन्होंने एआई आधारित ब्लू प्रिंट की मदद से प्रतिमा का डिजाइन तैयार किया। इसके बाद उसी डिजाइन को आधार बनाकर अपने हाथों से मिट्टी और पुआत से प्रतिमा का निर्माण किया गया। खास बात यह है कि इस मूर्ति में किसी भी तरह के कपड़े का इस्तेमाल नहीं किया गया है। पूरी प्रतिमा पारंपरिक मिट्टी और प्राकृतिक सामग्री से बनाई गई है, लेकिन उसका स्वरूप आधुनिक तकनीक की झलक देता है। एआई आधारित यह प्रतिमा मां सरस्वती के शांत, सौम्य और दिव्य रूप को बेहद आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करती है।

आर्ट में भी टेक्नोलॉजी

अजय पाल पिछले पचास वर्षों से मां दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती और काली की प्रतिमाओं का निर्माण करते आ रहे हैं। वे बताते हैं कि यह पहला मौका है, जब उन्होंने एआई तकनीक की मदद लेकर किसी देवी की प्रतिमा तैयार की है। अजय पाल कहते हैं, जमाना एआई का है। अब कला में भी तकनीक का समावेश जरूरी हो गया है। मैंने सोचा क्यों न परंपरा को तकनीक से जोड़ा जाए। एआई की मदद से डिजाइन तैयार किया और फिर उसे अपने हाथों से आकार दिया। मेहनत ज्यादा लगी, लेकिन नतीजा बेहद सतोषजनक है। मूर्तिकार अजय पाल बताते हैं कि उनके यहां 300 रुपये से लेकर लाखों रुपये तक की प्रतिमाएं उपलब्ध हैं।

NEWS BOX

मतदाता जागरूकता और लोकतंत्र की मजबूती के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध : डीसी

RANCHI : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को मनाया जाएगा। इससे पहले गुरुवार को समारोहालय में मतदाता प्रतिज्ञा पाठ का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता उपायुक्त-सह-निर्वाचन पदाधिकारी मंजुनाथ भजंत्री ने की। कार्यक्रम में निर्वाचन से जुड़े विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से मतदाता प्रतिज्ञा पढ़ी। इसमें लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई तथा मतदान के महत्व एवं निष्पक्षता को बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मतदाता सूची के शुद्धिकरण गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिनके प्रयासों से जिले में मतदाता सूची को और अधिक शुद्ध व अद्यतन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों व कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे मतदाता जागरूकता अभियान को और तेज करें। साथ ही आने वाले चुनावों में अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में उपविभागाध्यक्ष सौरभ भुवनिया, अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, अपर समाहर्ता रांची रामनारायण सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी सिधु-व्यवस्था राजेश्वर नाथ अलाविक, उप निर्वाचन पदाधिकारी बिबेक कुमार सुमन, जिला स्तर पर निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। यह आयोजन 'माई इंडिया, माई वोट - भारत हूँ' टैग लाइन इंडियन सिटीजन एट द हार्ट ऑफ डेमोक्रेसी की थीम के अनुरूप था, जो नागरिकों को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश देता है।

डोरंडा क्षेत्र में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

RANCHI : शहर में सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और आम लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से रांची नगर निगम द्वारा लगातार कदम उठा रहा है। इसी क्रम में डोरंडा क्षेत्र में आए दिन उत्पन्न हो रही भीषण जाम की समस्या को गंभीरता से लेते हुए रांची नगर निगम द्वारा अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। गुरुवार को चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत नगर निगम की इन्फोर्समेंट टीम द्वारा अवैधकर चौक से होते हुए डोरंडा बाजार और एजी मोड तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान सड़क के दोनों ओर किए गए अनेक अतिक्रमण, टैले, खोमचे, अस्थायी दुकानों और अन्य अस्थायी संरचनाओं को हटाया गया। जिससे सड़क की चौड़ाई बर्धित हो रही थी और यातायात प्रभावित हो रहा था। नगर निगम की टीम ने दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों को सख्त निर्देश दिया कि भविष्य में पुनः सड़क अथवा सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि दोबारा अतिक्रमण पाए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रांची नगर निगम का यह अभियान बेहतर यातायात व्यवस्था, पैदल यात्रियों की सुरक्षा तथा आमजन को सुगम आगमन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। निगम प्रशासन ने यह भी बताया कि इस प्रकार के अतिक्रमण मुक्त अभियान आगे भी नियमित रूप से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चलाए जाएंगे।

शराब घोटाले की बड़ रही रकम, एसीबी जांच का दायरा सश्रित : बाबूलाल मरांडी

RANCHI : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड में शराब घोटाले की जांच भी अपने आप में एक बड़ा घोटाला है। घोटाले की रकम बढ़ती जा रही है, लेकिन एसीबी की जांच का दायरा नहीं बढ़ रहा है। बीपीपी नेता ने आगे कहा कि अब तक 17 अभियुक्तों की गिरफ्तारी हो चुकी है। लेकिन किसी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल नहीं किया गया है। सिर्फ अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा रही है और बाहर चार्जशीट दाखिल किए ही उन्हें डिफॉल्ट बेल दिलाया जा रहा है। मरांडी ने कहा कि अगर साढ़े सात सौ करोड़ के घोटाले की बात सामने ही मान ली जाए तो ये कैसे संभव है कि बिना सरकारी सहमति और सहभागिता के महज चंद अफसर और माफिया इतना बड़ा घोटाला कर देंगे। न्यायालय को पर्याप्त अधिकारियों की कार्यशैली पर सज्जाना लेना चाहिए। केंद्रीय एजेंसियों द्वारा शराब घोटाले की जांच का आदेश दिया जाना चाहिए।

27 को देशभर में बैंक हड़ताल

RANCHI : गुरुवार को बरियतुल में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनिंस के प्रतिनिधियों प्रकाश उराव, शशिचंद्र भारती, दिनेश कुमार, कुणाल कुमार, एमएल सिंह और दिनेश कुमार शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने कहा कि भारत सरकार से बैंक कर्मों बंद में पांच दिवसीय वर्किंग डे की मांग कर रहे हैं। लेकिन भारत सरकार पांच नही कर रही है और मांग को लगातार टालमटोल कर रही है। केंद्र सरकार की वादखिलाफी के कारण 27 जनवरी 2026 को देशभर में आंदोलन किया जाएगा। अखिल भारतीय बैंक हड़ताल की जाएगी। इसमें सार्वजनिक, निजी, विदेशी, ग्रामीण और सहकारी बैंकों के लगभग 8 लाख कर्मचारी और अधिकारी शामिल होंगे। हड़ताल के कारण चेक वलेयर्स रुक जाएगी। लोन और केश ट्रांजेक्शन जैसी सेवाएं प्रभावित होंगी। प्रतिनिधियों ने बताया कि बैंकिंग उद्योग में पांच दिवसीय सप्ताह लागू करने पर सरकार और भारतीय बैंक से पहले ही सहमत हो चुके हैं। इसके लिए 2015 में द्विपक्षीय समझौते हुआ था। 7 दिसंबर 2023 को एमओयू हुआ। 8 मार्च 2024 के संयुक्त नोट में आईबीए द्वारा अनुशासित किया गया।

जेयवीएनएल का 8401 ठिकानों पर रेड, 1185 पर एफआईआर, 1.18 करोड़ की हुई बिजली चोरी

RANCHI : झारखंड उर्जा विकास निगम लिमिटेड (जेयवीएनएल) ने बिजली चोरी के खिलाफ राज्यभर में दो दिवसीय छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान में एटी पावर शेप्ट (पीपीटी) की 119 टीमों में शामिल किया गया। अभियान के दौरान राज्यभर के कुल 8,401 ठिकानों पर छापा मारा गया। इस दौरान अनुमानित 17.45 लाख यूनिट बिजली चोरी पकड़ी गई, जिसका मूल्य लगभग 1.18 करोड़ रुपये है। जेयवीएनएल ने कार्रवाई से पहले हुए 1,185 उपभोक्ताओं पर एफआईआर दर्ज की। जेयवीएनएल ने सभी बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि अगर किसी को बिजली चोरी की जानकारी हो तो वे पूरा पता और विवरण महसूबधक (पीपीटी) के मोबाइल नंबर 94311-35515 पर व्हाट्सएप या मैसेज के माध्यम से भेजें सूचना देने वाले का नाम और मोबाइल नंबर गोपनीय रखा जाएगा। साथ ही निगम प्रबंधन ने आम नागरिकों से छापेमारी अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर इसे सफल बनाने की अपील की है।

समाचार सार

बाइक की टक्कर से महिला समेत तीन घायल

JAMSHEDPUR : कदमा में सड़क पार कर रही एक महिला को एक तेज रफतार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। बाइक पर दो युवक बैठे हुए थे। इस सड़क हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। जबकि, बाइक पर सवार दोनों युवक भी घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने फौरन घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। यहाँ उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार युवक काफी तेज रफतार से गाड़ी चला रहे थे। मौतलाब है कि इन दिनों जमशेदपुर में तेज रफतार वाहन चलाने की वजह से लगातार दुर्घटनाएँ हो रही हैं। ट्रैफिक पुलिस वाहनों की रफतार पर लगातार नहीं लग पा रही है। कई साल पहले जिला प्रशासन ने शहर में वाहनों की रफतार कम करने के लिए स्पीड लिमिट योजना शुरू की थी। लेकिन, यह योजना धरातल पर नहीं उतर सकी। योजना फाइलों में ही दब कर रह गई।

पश्चिमी सिंहभूम ने रामगढ़ को हराया

CHAIBASA : झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे अंतर जिला अंडर -16 क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरुवार को पश्चिमी सिंहभूम ने रामगढ़ को नजदीकी मुकाबले में एक विकेट से पराजित कर दिया। कोडरमा के चंदवारा स्थित पुलिस लाइन ग्राउंड में खेले गए आज के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए रामगढ़ की टीम 46.3 ओवर में 224 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। पश्चिमी सिंहभूम की ओर से सोहम मैती ने 4 तथा चंदन प्रसाद ने 2 विकेट हासिल किए। जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी पश्चिमी सिंहभूम की टीम ने 44.1 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 226 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। सोहम मैती ने बल्लेबाजी में भी अपना दम दिखाते हुए 45 रन बनाए। शिवम लाल विश्वकर्मा ने 29, नीतीश कुमार ने नाबाद 28, कप्तान जिशान अहमद ने 27 तथा सिद्धार्थ जयसवाल ने 23 रनों की उपयोगी पारी खेलकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सोहम मैती को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार (5000 रुपये) दिया गया।

बंगीय उत्सव समिति के अध्यक्ष बने अंशु सरकार

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित मिलिनी प्रेक्षागृह में बंगीय उत्सव समिति की बैठक गुरुवार को हुई। इसमें बंगीय उत्सव 2026 के लिए नई समिति का गठन किया गया। बैठक में अमिताभ बाँकसी और अंशुमान चौधरी को संरक्षक नियुक्त किया गया। सलाहकार मंडल में पूर्व बोध, शुभकर चटर्जी, इंद्रजीत घोष, प्रकाश मुखर्जी, राजू दत्ता, कृष्णेंद्र चटर्जी, मिथिलेश घोष (सबुज कल्याण संघ, टेल्को), काजल मुखर्जी (सबुज संघ, सोनारी), ऋतुगज घोष, निखिल गिरी (सेवाव्रती नील संघ, कदमा), शेतांको सेन (रांची), रवींद्रनाथ दास (बहरागोड़ा), चित्ररंजन दास (अखिल वैरागी समाज), रबी माझी (सुवर्ण बंकिम समाज), डॉ. मदन सरकार (पटमदा) और बेगु टाकुर (धानाद) को शामिल किया गया। नई समिति में पार्थ सारथी चटर्जी को चेयरमैन बनाया गया है। योगगुरु अंशु सरकार को अध्यक्ष, अर्पणा गुहा को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। महासचिव के रूप में उत्तम गुहा को चुना गया। संयुक्त सचिव पद पर अभिजीत सरकार (नाट्ट), देवजीत सरकार और अशोक दत्त को मनोनीत किया गया। कोषाध्यक्ष के रूप में अमित माझी तथा सह-कोषाध्यक्ष के रूप में सुबीर कुमार कुंडू, सुभाष सिंह राय, ऑडिटर अमित बोस (सबुज कल्याण संघ, टेल्को) एवं सरायकेलाखरसावाँ जिले के अध्यक्ष के रूप में गोरा बर्मन को जिम्मेदारी दी गई। 1 फरवरी को जमशेदपुर के गोपाल मैदान में भव्य बंगीय उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों से बंगभाषी भाग लेंगे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध बंगाली लोकगायिका अर्पिता चक्रवर्ती और मालदा की सुर संगम संगीत मंडली द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी।

पांच दिवसीय कार्यदिवस को लेकर प्रदर्शन

JAMSHEDPUR : पांच दिवसीय कार्यदिवस को लेकर देश भर में बैंककमी 27 जनवरी को हड़ताल पर जाने वाले हैं। इससे पहले गुरुवार को बैंक कर्मियों ने देशभर के साथ जमशेदपुर में भी प्रदर्शन किया। हड़ताल में यूएफबीयू, जमशेदपुर सेंटर के सभी घटक दलों के शीर्ष नेतृत्व एवं ने हिस्सा लिया। अपनी जायज मांगों के समर्थन में रैली को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रैली को सफल बनाने में सपन कुमार अदक, सत्यजीत गिरी, स्वीटी कुजूर, दीपक कुमार, पिपाली चक्रवर्ती, दिव्यांशु, कुलकर्त सहित कई सदस्य सक्रिय रहे।

अस्पताल में दिया गया एचपीवी वैक्सीन का प्रशिक्षण

GHATSILA : अनुमंडल अस्पताल के सभागार में उपाधीक्षक सह प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेंद्र नाथ सोरेन के नेतृत्व में गुरुवार को एचपीवी (ह्यूमन पेपीलोमा वायरस) वैक्सीन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सभी चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम एवं सहाय्य साथी शामिल थे।

यात्री ट्रेनों का परिचालन समय पर कराएं अधिकारी : सांसद

PHOTON NEWS CHAIBASA : रांची के होटल रेडिशन ब्लू में गुरुवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची एवं चक्रधरपुर रेल मंडल के सांसदों की मंडलीय समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जमशेदपुर के सांसद विद्युत बरण महतो ने की। बैठक में झारखंड के अलावा ओडिशा और बंगाल के कई लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद उपस्थित रहे। वहीं रेलवे की ओर से दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक एके मिश्रा के अलावा चक्रधरपुर और रांची के डीआरएम सहित वरीय रेल अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सांसद जोबा माझी ने चक्रधरपुर रेल मंडल में यात्री ट्रेनों की उपेक्षा का माहलता प्रमुखता से उठाया। सांसद ने कहा कि पिछले कुछ समय से चक्रधरपुर रेल मंडल में

यात्री ट्रेनों का भारी उपेक्षा की जा रही है। रेलवे मालगाड़ियों का परिचालन करे, लेकिन यात्री ट्रेनों की उपेक्षा मालगाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी, तो हम बर्बाद नहीं करेंगे। रेलवे ही गरीबों का सहारा है। चक्रधरपुर रेल मंडल को रेल से नहीं जोड़ना और है। इसे बावजूद अन्य यात्री सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। सांसद ने कहा कि रेलवे

से जुड़ी समस्याओं का अगर जोन स्तर पर भी समाधान नहीं हो पाता है तो हम रेल मंत्री से मुलाकात करेंगे। सांसद ने कहा कि हमारे संसदीय क्षेत्र में कई छोटे स्टेशन हैं। जहाँ के निवासी गरीब तबके से आते हैं। अगर गरीबों को रेल से नहीं जोड़ पाते हैं तो अमृत भारत स्टेशन और वंदे भारत ट्रेन चलाने का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाएगा।

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

PHOTON NEWS SERAIKELA : उपायुक्त, सरायकेला-खरसावाँ नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में गुरुवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। इसमें जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने जानकारी दी कि दिसंबर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। इसके

फुटपाथी दुकानदारों में मारपीट के बाद पुलिस ने लिया फैसला, आला अधिकारियों तक पहुंचा मामला

साकची बाजार में अब नहीं लगेंगी फुटपाथ पर दुकानें, इंडा चौक के पास पुलिस तैनात

PHOTON NEWS JSR :

साकची बाजार में फुटपाथ दुकानें अब नहीं लगेंगी। दुकानदारों में आपसी मारपीट के बाद साकची थाना पुलिस ने यह फैसला लिया है। साकची बाजार में झंडा चौक और उसके आसपास पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है। पुलिस के जवानों को निर्देश दिया गया है कि बाजार में कोई भी फुटपाथ दुकानदार दुकान नहीं लगाने पाए। पुलिस तैनात होने के बाद कई फुटपाथी दुकानदार यहां फुटपाथ दुकानें लगाने आए थे। मगर, पुलिस कर्मियों ने सबको मना कर दिया। पुलिस का कहना है कि किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए यह तैनाती की गई है। बताया जा रहा है कि फुटपाथ दुकान नहीं लगने से बाजार में भीड़ कम हो गई है। आवागमन सुचारू रूप से चल रहा है। दूसरी तरफ, फुटपाथ



साकची बाजार में तैनात पुलिस के जवान

● फोटोन न्यूज

दुकानदारों की रोजी-रोटी पर असर पड़ा है। वह लोग दुकान नहीं लगा पा रहे हैं। रोजमर्रा की खरीदारी करने आ रहे ग्राहक भी वापस लौट जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि

झंडा चौक पर कुछ दिन पहले दुकान लगाने को लेकर दुकानदारों में मारपीट हो गई थी। बताया जा रहा है कि फुटपाथ दुकानदार और सैरात दुकानदार के बीच में जगह

को लेकर विवाद हो गया था। इसी विवाद में मारपीट हो गई थी। यह मामला थाने गया था। थाने पर पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा बुझा दिया था। लेकिन, इनका झगड़ा

इंडस्ट्रियल टाउन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से 4 हफ्ते में मांगा जवाब

PHOTON NEWS JSR :

जमशेदपुर को इंडस्ट्रियल टाउन घोषित करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की खंडपीठ में इसकी सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में वादी जवाहरलाल शर्मा ने यूनियन ऑफ इंडिया यानी भारत सरकार को भी प्रतिवादी बनाने की गुहार लगाई। इसे मंजूरी दे दी गई थी, जिसके बाद तय किया गया कि इस केस में अब भारत सरकार भी प्रतिवादी बनेगी। इसके बाद भारत सरकार को चार सप्ताह में जवाब दखिल करने का आदेश दिया। इस सुनवाई के दौरान टाटा स्टील



की ओर से मौजूद अधिवक्ता ने कहा कि उनकी ओर से आपत्ति पहले से दायर है। उनकी आपत्ति को भी सुना जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में सुनवाई कर रही खंडपीठ ने कहा कि अगली सुनवाई के दौरान सबसे पहले टाटा स्टील की आपत्तियों को सुना जाएगा। इसके बाद आगे कोई

चीज पर सुनवाई होगी। इस बीच याचिकाकर्ता जवाहरलाल शर्मा को कहा गया है कि वे इस मामले में प्रत्युत्तर (काउंटर एफिडेविट) दखिल करें। इसके लिए याचिकाकर्ता को दो सप्ताह का समय दिया गया है। अब इस मामले की सुनवाई के लिए छह सप्ताह बाद का समय निर्धारित किया गया है। इसके बाद कोई

फैसला आएगा। जमशेदपुर के सोनारी निवासी सामाजिक कार्यकर्ता जवाहरलाल शर्मा द्वारा दायर रिट याचिका (सिविल) संख्या 483/2025, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 243द(1) और झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 की धारा 481 के प्रावधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। इसमें 28 दिसंबर 2023 की जमशेदपुर को एक औद्योगिक टाउनशिप घोषित करने की अधिसूचना को रद्द करने की मांग की गई है। उन्होंने अपनी याचिका में झारखंड सरकार को जमशेदपुर के लिए एक नगर निगम का गठन करने का निर्देश देने के आदेश की मांग की गयी है। इस मामले को लेकर लंबे समय से सुनवाई चल रही है।

आजादनगर में महिला से छिनतई करने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार



पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : मानगो के आजादनगर इलाके में एक महिला से छिनतई करने वाले आरोपी को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी आजादनगर के केजीएन कॉलोनी रोड नंबर- 2 का रहने वाला परहान उर्फ शब्बान है। फरहान के पास से पुलिस ने एक मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड और 3000 रुपये बरामद किया है। इसके अलावा, घटना में प्रयुक्त बाइक भी जब्त कर ली गई है। बताया है कि 21 जनवरी को कुली रोड पर मुमताज शाहीन नामक महिला से तब छिनतई हुई, जब वह स्कूल में पढ़ाने जा रही थी। तभी बाइक पर सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर महिला का पर्स छीन लिया था। पर्स में 5000 रुपये, वोटर कार्ड, आधार कार्ड और महिला का मोबाइल फोन था। पुलिस ने छीना गया सारा सामान बरामद कर आरोपी को जेल भेज दिया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद पुलिस ने महिला के मोबाइल को सर्विलांस पर लगा दिया था। महिला के मोबाइल को ट्रैक किया गया और उसी के सहारे आरोपी को गिरफ्तारी हुई।

केरव गांधी के अपहरण में प्रयुक्त कार कदमा से बरामद

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर के सीएच परिया निवासी उद्योगपति केरव गांधी का अपहरण 13 जनवरी को हुआ था। इतने दिनों बाद पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को कदमा से बरामद किया है। इसके बाद पुलिस कार के नंबर के हिसाब से आगे की जांच की जा रही है। वहीं, केरव गांधी की कार को भी पुलिस ने घटना के बाद कांदरवेड़ा के पास से ही बरामद किया था। घटना के बाद कई राज्यों में पुलिस टीम भेजी गई है। वहा पुलिस संबंधित जिले की पुलिस के साथ मिलकर घटना की टोह ले रही है। इसमें बिहार, बंगाल, ओडिशा आदि शामिल हैं। केरव गांधी का अपहरण के मामले को पुलिस हनी ट्रेप के एंगल से भी जांच कर रही है। हालांकि पुलिस मामले में अभी तक कुछ भी नहीं बोल रही है। यहा बता दें कि घटना के पहले केरव के पिता देवान गांधी और चाचा प्रशांत गांधी को इंडोनेशिया के नंबर से 17 बार कॉल था था। कॉल आने से परिवार के लोग परेशान हो गए। केरव का अपहरण होने के बाद अंततः परिवार के लोगों शान में जाकर घटना की लिखित शिकायत दी थी।

मुर्गापाड़ा व हब्बा-डब्बा पर पुलिस ने की छापेमारी, मच गई भगदड़

PHOTON NEWS CHAIBASA :

पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र स्थित टोडिंगसाई में गुरुवार को मुर्गापाड़ा और हब्बा-डब्बा (जुआ अड्डे) पर पुलिस ने छापेमारी की। अचानक पुलिस का छाप पड़ते ही वहां मौजूद सैकड़ों लोगों में भगदड़ मच गई। पुलिस ने तुरंत मुर्गा पाड़ा और हब्बा-डब्बा बंद करा दिया। दरअसल, गोइलकेरा के हाई स्कूल ग्राउंड में जय हिंद स्पोर्ट्स क्लब द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के उपलक्ष्य में गुरुवार से दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। आयोजन स्थल से थोड़ी दूर पर कुछ लोगों ने खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन समिति की आपत्ति के बावजूद मुर्गापाड़ा और हब्बा डब्बा शुरू करा दिया। इसमें



पुलिस गिरफ्त में आरोपी

● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : मानगो थाना क्षेत्र के उलीडीह ओपी इलाके में पुलिस ने श्याम नगर में नदी किनारे से ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। तस्कर का नाम मनीष कुमार यादव है। वह संकोसाई का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से 26 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की है। एसएमपी पीयूष पांडेय को गुप्त सूचना मिली थी कि श्याम नगर में नदी किनारे कुछ लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। उन्होंने डीएसपी पटमदा के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित की और बुधवार की रात छापेमारी की गई। पुलिस को देखते ही ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहे लोग भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने दौड़ा कर एक युवक को पकड़ा। उसने अपना नाम मनीष कुमार यादव बताया। इस मामले में उलीडीह थाने में मामला दर्ज हुआ है। ब्राउन शुगर की खरीद फरोख्त करने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चला रही है।



हाई और लो ब्लड शुगर लेवल वाले डायबिटीज मरीजों के लिए औषधि से कम नहीं है यह पता

अंजीर एक ऐसा फल है, जो स्वास्थ्य और सेहत दोनों के लिए लाभदायक होता है। वर्षों से यह फल बेहद स्वास्थ्यवर्धक सूखे मेवे के रूप में भी लोगों को खूब भाता रहा है। अंजीर को अंग्रेजी में फिग के नाम से भी जाना जाता है। अंजीर के फायदे तो हम सभी जानते हैं, इस फल को खाने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। अंजीर की सबसे बड़ी खासियत यही है कि, यह ताजे फल से ज्यादा ये सूखे मेवे के रूप में ज्यादा पौष्टिक होता है।

अभी तक आपने अंजीर के कई फायदों के बारे में पढ़ा होगा या सुना होगा, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि अंजीर की पतियों के भी कई फायदे होते हैं।

डायबिटीज मरीजों के लिए वरदान

दरअसल, अंजीर के पत्तों में भरपूर मात्रा में एंटी-डायबिटिक गुण मौजूद होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने में मददगार साबित होते हैं। कई अध्ययनों से पता चला है कि यह हाइपरग्लेसेमिया और हाइपोग्लाइसेमिया दोनों स्थितियों में काम करता है और ग्लूकोज के लेवल को सामान्य बनाए रखने में मदद करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अंजीर की पतियों का जूस बनाकर सेवन करने से शरीर में इंसुलिन के लेवल को प्राकृतिक तरीके से नियंत्रण में रखा जा सकता है।

अंजीर के पत्तों के औषधीय गुण

कब्ज की समस्या से राहत दिलाते हैं

अंजीर की तरह पतियों में भी पोटेशियम, सोडियम, फॉस्फोरिक एसिड, आयरन और विटामिन जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। इसीलिए पतियों का काढ़ा, चाय, जूस, पाउडर के रूप में सूखी पतियों का उपयोग विभिन्न बीमारियों के इलाज में किया जा सकता है। सिर्फ अंजीर ही नहीं बल्कि पतियों से बना काढ़ा, जूस और चाय भी कई तरह से फायदेमंद होता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित मधुमेह से पीड़ित चूहों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि अंजीर की पत्ती के रस में हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव होता है।

इसका एक चम्मच छाछ में

मिलाकर पिएं, आपका वजन और मोटापा कम हो जाएगा

अंजीर की पतियों को सुखाकर उसका पाउडर बनाया जा सकता है। आधा चम्मच चूर्ण एक कप पानी में मिलाकर चाय की तरह पियें। दोनों दृष्टिकोणों के अत्यधिक लाभ हैं। हड्डियां कमजोर होने पर अंजीर के पत्तों का सेवन करने से फायदा मिल सकता है। इन पतियों से बने पाउडर का सेवन करने से शरीर को पोटेशियम और कैल्शियम मिलता है और कई हड्डियां मजबूत होती हैं। इसके लिए अंजीर के पत्तों का पाउडर इस्तेमाल करना चाहिए।



अपनी इन 5 अच्छी आदतों से करें अपने दिन की शुरुआत बदल जायेगी ज़िन्दगी

इंटरनेट वजन घटाने और सेहतमंद रहने की जानकारी देने वाली सूचनाओं से अटा पड़ा है। कभी सोशल मीडिया पर वजन घटाने के नए-नए ट्रिक्स दिखने को मिलते हैं, तो कभी वजन घटाने और फिट हो जाने वाली सफलता की कहानियां देखकर या पढ़कर हम भी चक्कर हो जाते हैं। पर, कई दफा ज्यादा जानकारी भी हमें पशोपेश में डाल देती है। यह सच है कि वजन को नियंत्रित रखने के लिए कैलोरी पर नजर रखना और शारीरिक रूप से सक्रिय रहना जरूरी है। पर, इन सबके साथ अपनी जीवनशैली में कुछ अच्छी आदतों को शामिल करके भी आप मोटापे के बढ़ते खतरे से खुद को बचा सकती हैं। सुबह की कौन-कौन सी आदतें वजन घटाने और फिट रहने में आपके लिए मददगार साबित हो सकती हैं,

गुनगुने पानी से शुरुआत



मोटापे की सबसे मुख्य वजह मेटाबॉलिज्म का धीमा होना है। अपने सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को अगर आप दुरुस्त करना चाहती हैं, तो अपने सुबह की शुरुआत गुनगुने पानी से करें। सुबह उठने के बाद हर दिन एक से दो गिलास गुनगुना पानी पीने से मेटाबॉलिज्म धीमा नहीं पड़ता है। आयुर्वेद के मुताबिक गुनगुने पानी में नींबू का रस या फिर शहद मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म और तेज होता है और वजन कम करने में मदद मिलती है।

व्यायाम से समझौता नहीं



हर दिन कम-से-कम 25 से 30 मिनट का व्यायाम शरीर को सेहतमंद रखने के लिए बहुत ज्यादा जरूरी है। सुबह की शुरुआत हल्के-फुल्के व्यायाम के साथ करने से न सिर्फ शरीर का लचीलापन बरकरार रहता है बल्कि शरीर में सकारात्मक ऊर्जा में भी इजाफा होता है। योग, दौड़ना, स्ट्रेचिंग या फिर जिम में व्यायाम... अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए इनमें से कुछ भी चुन सकती हैं, बस इस बात का ध्यान रखें कि जो करें, उसे नियमित रूप से करें।

सूरज की रोशनी का असर



हम सब की जिंदगी का अधिकांश हिस्सा अब घर के भीतर, स्क्रीन के सामने बीतने लगा है। इसके लिए कुछ हमारा काम जिम्मेदार है, तो कुछ स्क्रीन की हमारी बढ़ती लत। पर, क्या आप जानती हैं कि सेहतमंद रहने की विटामिन-डी बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है, जिसका सबसे बड़ा स्रोत सूरज की रोशनी है। सुबह के वक्त निकलने वाली सूरज की रोशनी विटामिन-डी के सबसे प्रभावी स्रोतों में से एक है। यह शरीर के साथ-साथ मन को भी सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। आप सुबह के वक्त पार्क में व्यायाम करते वक्त विटामिन-डी भी प्राप्त कर सकती हैं। खास बात यह है कि इन सबके साथ विटामिन-डी वजन घटाने में भी प्रभावी साबित होता है।

खाने की भी करें प्लानिंग

जो लोग हर दिन के अपने खाने की प्लानिंग करते हैं, वे ज्यादा मात्रा में पोषक तत्वों का सेवन कर पाते हैं। दरअसल, मेन्यू तय करके खाने से हम अपने पोषण के बारे में ज्यादा सतर्क रह पाते हैं। ऐसी स्थिति में सिर्फ पेट भरने की जगह पोषक तत्वों से भरपूर कम कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों के सेवन को बढ़ावा मिलता है। ऐसी स्थिति में कैलोरी से भरपूर पैकेट बंद स्नैक्स पर हमारी निर्भरता कम होती चली जाती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा भी कम होता चला जाता है।

सुबह के नाश्ते से समझौता नहीं

अमूमन लोग सुबह का नाश्ता यह सोचकर नहीं करते हैं कि इससे उन्हें वजन घटाने में मदद मिलेगी। पर, सच्चाई यह है कि इसका न सिर्फ शरीर पर बल्कि वजन पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। अपर्याप्त मात्रा में पोषण हमारे शरीर को भीतर से खोखला बना देता है। कई दफा लंबे समय तक भूखा रहने पर वजन कम होने की जगह बढ़ने लगता है। वहीं, लंबी अवधि तक भूखा रहने से ओवरईटिंग की आशंका भी बढ़ जाती है। लंबे समय तक भूखा रहने से शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी होने लगती है, जिसका संपूर्ण सेहत पर नकारात्मक असर पड़ता है।



शरीर में इन 5 जगहों पर दर्द होना

हार्ट अटैक का संकेत

वर्तमान समय में अचानक ही दिल के दौरों के मामलों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। बड़ी संख्या में युवा भारतीयों में दिल का दौरा, कार्डियक अरेस्ट और अन्य हार्ट डिजीज चिंता का एक प्रमुख कारण बनता जा रहा है। कम उम्र (35-50 साल) के करीब 75 फीसदी आबादी को दिल का दौरा पड़ने का खतरा है। वास्तव में दिल का दौरा एक घातक चिकित्सा स्थिति है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में हर साल 17.9 मिलियन लोगों की मृत्यु हृदय रोगों की वजह से होती है।

अध्ययन बताते हैं कि हर पांच में से 4 मौतें दिल के दौरों के कारण होती हैं, चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि दिल के दौरों हृदय की रक्त वाहिकाओं में ब्लड सर्कुलेशन में बाधा, रक्त वाहिकाओं में रुकावट, हृदय को ठीक से रक्त की आपूर्ति न हो पाना आदि के कारण होते हैं। वर्तमान समय में अव्यवस्था?त दिनचर्या, तनाव, गलत खान-पान, पर्यावरण प्रदूषण और अन्य कारणों के चलते हृदय की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। छोटी उम्र से लेकर बुजुर्ग तक में हृदय से जुड़ी समस्याएं होना अब आम बात हो गई है।

ऐसे में आज इस खबर के माध्यम से जानते हैं कि दिल का दौरा पड़ने से पहले आपका शरीर क्या संकेत देता है। याद रखें कि यदि आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के किसी भी हिस्से में दर्द या असुविधा महसूस होती है, तो यह दिल का दौरा पड़ने का संकेत हो सकता है। हालांकि, चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इन जगहों पर दर्द होता है तो इसे पेन किलर दवाओं से दबाना घातक हो सकता है...

सीने में दर्द या दबाव

दिल का दौरा पड़ने का सबसे आम लक्षण सीने में दर्द या दबाव है। यह दर्द अचानक से शुरू हो सकता है और कंटीन्यूअसली बना रह सकता है। यह दबाव छाती पर भारी बोझ जैसा महसूस होता है। कुछ में यह दर्द बहुत तेज होता है। तो कुछ में हल्का दबाव होता है। हालांकि, इसे कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कंधे, गर्दन या पीठ में दर्द

कंधे, गर्दन या पीठ में दर्द भी दिल का दौरा पड़ने का संकेत हो सकता है। खासतौर पर अगर यह दर्द सीने में दर्द के साथ हो तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। यह दर्द एक जगह से दूसरी जगह तक फैलता है। कभी-कभी यह एक तरफ या दोनों तरफ भी महसूस हो सकता है।

बाएं हाथ में दर्द

विशेषकर बायीं बांह में दर्द दिल के दौरों का एक सामान्य लक्षण है। यह दर्द अचानक शुरू होता है और गंभीर होता है। कभी-कभी यह दर्द हल्का या परेशान करने वाला होता है, लेकिन अगर यह लंबे समय तक बना रहे तो इसे नजरअंदाज न करें।

जबड़े या दांत में दर्द

दिल के दौरों के लक्षणों में जबड़े या दांतों में दर्द भी शामिल हो सकता है। यह दर्द सिर्फ जबड़े में ही नहीं बल्कि गालों, ऊपरी हिस्से तक फैल जाता है। कभी-कभी यह केवल एक तरफ ही तेज होता है। इसे नजरअंदाज न करें।

अगर तेजी से बढ़ते मोटापे पर लगाना है लगाम तो इस्तेमाल करें नींबू का छिलका, हफ्ते भर में दिखेगा असर



बढ़ते वजन से आज लगभग हर दूसरा इंसान परेशान है। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग तरह-तरह की होम रेमेडीज का इस्तेमाल करते हैं। इनमें एक चीज जो बहुत ही कॉमन है वो है लेमन यानी नींबू। नींबू का इस्तेमाल फेट लॉस के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। महज सुबह गर्म पानी में नींबू डाल कर पीने भर से ही बॉडी डिटॉक्स होती है, जो वेट लॉस में भी काफी मदद करता है। हालांकि नींबू का इस्तेमाल करने के बाद



इसके छिलके हम आमतौर पर फेंक देते हैं। जबकि ये छिलके भी वजन घटाने में काफी ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं। तो चलिए आज वेट लॉस के लिए नींबू के छिलकों के इस्तेमाल के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अब आपके मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि भला नींबू का छिलका जिसे हम वेस्ट समझकर फेंक देते हैं, वो वेट लॉस में भला कैसे मदद कर सकता है। तो बता दें कि नींबू के

छिलके में पेक्टिन नाम का फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है। इसके अलावा इसमें पॉलीफेनोल्स भी पाए जाते हैं, जिन्हें फेट बर्निंग के लिए जाना जाता है। नींबू के छिलकों में भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आपकी ओवरऑल हेल्थ को दुरुस्त रखने का काम करते हैं।

वजन घटाने के लिए ऐसे करें इनका इस्तेमाल

वजन कम करने के लिए आप कई तरह से नींबू के छिलकों का सेवन कर सकते हैं। पहला तरीका है कि आप नींबू के छिलकों की टेस्टी चाय को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए कुछ नींबू के छिलकों को पानी में उबालने के लिए रख दें। जब पानी आधा बचे तो इसमें शहद मिलाकर चाय की तरह पीएं। सुबह या शाम आप कभी भी इस चाय को पी सकते



हैं। ये बॉडी को डिटॉक्स कर के फेट बर्निंग में हेल्प करेगी। इसके अलावा आप नींबू के छिलकों को धूप में सूखा सकते हैं। अच्छे से ड्राई होने के बाद इनका एक फाइन पाउडर बना लें। अब गर्म पानी में एक चम्मच ड्राई लेमन पाउडर मिलाकर पानी को अच्छे से उबाल लें। इस तरह से भी आपकी एक फेट बर्निंग टी बनकर तैयार हो जाएगी। इसमें आप एक चम्मच शहद भी मिला सकते हैं। इससे स्वाद के साथ-साथ इसके फायदे भी दोगुने हो जाएंगे। फेट लॉस ड्रिंक के अलावा आप नींबू के छिलकों को ग्रेट कर के सब्जी, सलाद या सूप में डालकर खा सकती हैं। नींबू के छिलकों का पाउडर, काली मिर्च और नमक को मिलाकर एक पाउडर बना सकती हैं, जिसे किसी भी सलाद या फल पर स्प्रेड कर के खाया जा सकता है। इससे खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा और फेट लॉस में भी मदद मिलेगी।

डिजिटल दुनिया में भी हो साफ-सफाई

डिजिटल युग सूचना की बाढ़ लेकर आया है। हर सेकेंड में लाखों-करोड़ों की संख्या में टेक्स्ट, ऑडियो, वीडियो और इमेज पोस्ट दुनिया भर में फैल रहे हैं। इंटरनेट ने अभूतपूर्व रूप से सूचना की पहुंच को सुलभ बनाया है। इस अभूतपूर्व तेजी ने सूचना प्रदूषण के गंभीर खतरे को भी जन्म दिया है, क्योंकि मौजूदा समय में सत्य के साथ-साथ झूठी, आधी-अधूरी और गैर-जरूरी सूचनाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिसके चलते सत्य और असत्य को पहचानना लगभग असंभव हो गया है। इसे मिसइंफार्मेशन (अज्ञान में फैलाई गई भ्रामक सूचना), डिसइंफार्मेशन (जानबूझकर फैलाई गई गलत सूचना) और मालइंफार्मेशन (सही, लेकिन दुष्प्रयोग की जा सकने वाली सूचना) के रूप में समझा जाता है। विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक जोखिम रिपोर्ट-2025 के अनुसार मिसइंफार्मेशन और डिसइंफार्मेशन के मामले लगातार दूसरे वर्ष शॉर्ट-टर्म वैश्विक जोखिमों में सबसे ऊपर हैं। रिपोर्ट बताती है कि यह जोखिम समाज की एकता, शासन व्यवस्था और लोगों के आपसी विश्वास को गहराई से कमजोर कर रहा है। वैश्विक स्तर पर यह समस्या इतनी गंभीर हो चुकी है कि कई विशेषज्ञ इसे लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा मानते हैं। ऐसे ही खतरे को एक उदाहरण है ग्रीक एआई या झूठी होने की संभावना होती है। नकली वीडियो और नकली आवाज में 2019 से अब तक 550 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। एक अनुमान के मुताबिक 2025 में लगभग 80 लाख नकली वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए गए। भारत इस समस्या का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 और 2025 की रिपोर्ट में भारत को गलत सूचना और जानबूझकर झूठी सूचना के सबसे ज्यादा जोखिम वाले देश के रूप में लगातार शीर्ष पर रखा गया है। 2025 की शुरुआत में भारत में लगभग 80.6 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता थे, जो कुल आबादी का 55.3 प्रतिशत था। यह संख्या 2025 में 90 करोड़ को पार कर गई। इतनी बड़ी डिजिटल आबादी के साथ भारत में सूचना प्रदूषण का प्रभाव कई स्तरों पर दिखता है। यह चुनावों को प्रभावित करता है, सामाजिक सद्भाव को तोड़ता है और हिंसा को बढ़ावा देता है। भारत में सूचना प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत डिजिटल मीडिया है। 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार वाट्सएप पर 64 प्रतिशत गलत सूचना फैलती है, उसके बाद पेसबुक पर 18 प्रतिशत और एक्स पर 12 प्रतिशत होता है। इंटरनेट मीडिया पर फैलने वाली फर्जी खबरों का 77.4 प्रतिशत हिस्सा डिजिटल मीडिया, 23 प्रतिशत मुख्यधारा के संचार माध्यमों से तथा शेष अन्य माध्यमों से आता है। इन फर्जी पोस्टों में सर्वाधिक 46 प्रतिशत राजनीतिक होते हैं। उसके बाद 33.6 प्रतिशत सामान्य मुद्दों और 16.8 प्रतिशत धार्मिक मुद्दों पर केंद्रित होते हैं। इन तीनों को मिलाकर देखें तो इंटरनेट मीडिया पर फर्जी खबरों की हिस्सेदारी 96.4 प्रतिशत होती है। राजनीतिक फेक न्यूज चुनावों में सबसे खतरनाक साबित होती है। 2024 के लोकसभा चुनावों में एआई से बनी सामग्री का उपयोग अभूतपूर्व स्तर पर हुआ। पांच करोड़ से अधिक कृत्रिम आवाज वाले कल मतदाताओं तक पहुंचाए गए। 2025 में भी यह सिलसिला जारी रहा। बिहार विधानसभा चुनावों में एआई से बने नकली वीडियो, नकली ऑडियो और व्यक्तिगत संदेशों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ। चुनाव आयोग ने एआई को चिह्नित करने के निर्देश दिए, लेकिन दर्जनों शिकायतों के बावजूद अधिकांश नकली सामग्री पकड़ में नहीं आई। सूचना प्रदूषण के प्रभाव विनाशकारी हैं। धार्मिक और जातीय आधार पर फर्जी वीडियो दंगों को बढ़ावा देते हैं तथा चुनावों के दौरान मतदाताओं को गुमराह करते हैं। वैश्विक स्तर पर जानबूझकर झूठी सूचना से हर साल लगभग 78 अरब डॉलर का नुकसान होने का अनुमान लगाया जाता है, जिसमें शेयर बाजार में अस्थिरता और ठगी के मामले शामिल हैं। इससे व्यक्तिगत स्तर पर लोगों का सत्य पर विश्वास कम होता है, निर्णय लेना मुश्किल हो जाता है और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। इस समस्या का समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए। सबसे पहले व्यक्तिगत स्तर पर डिजिटल साक्षरता जरूरी है। हर सूचना पर सवाल उठाना चाहिए। जैसे-सूचना स्रोत कौन है। इसमें कहीं गई बातों का सुबूत क्या है। यह डिजिटल मीडिया मंचों को एआई आधारित पहचान और फेक चेक को मजबूत करना चाहिए। इस संदर्भ में चुनाव आयोग के दिशानिर्देश मौजूद हैं, लेकिन इन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाए बगैर सख्ती से लागू करने की जरूरत है। इस समस्या को रोकने में फेक्ट चेक करने वाले संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। शिक्षा विभाग को स्कूल-कॉलेज स्तर पर डिजिटल साक्षरता को अनिवार्य विषय बनाना चाहिए। सूचना प्रदूषण को यदि हम समय रहते नियंत्रित नहीं कर पाए, तो सत्य की जगह झूठ, विश्वास की जगह संदेह और सद्भाव की जगह नफरत हावी हो जाएगी।

ANALYSIS



जी. किशन रेड्डी

अनेक लोगों ने भारत में जैन-जी यानी युवा शक्ति को भटकाने का हर संभव प्रयास किया, मगर भारत की जैन-जी ने भारत में विनाश नहीं, भारत के विकसित होने के संकल्प को चुना है। उन्होंने भारत के विकास में खुद को झोंक देने की प्रतिबद्धता को साबित किया है। आज भारत की सफलता की कहानियों में भारत के युवाओं की कहानी है। भारत की जैन-जी को स्व का बोध है और इसलिए वह अमृत काल का अमृत वर्ग बनकर उभरा है। भारत का उत्थान भारत के मूल में ही समाहित है। भारत का भविष्य और उसकी प्रगति उसकी गहरी सांस्कृतिक जड़ें, समृद्ध परंपराओं, प्राचीन ज्ञान, स्वदेशी क्षमताओं और आत्मनिर्भरता के भाव में ही निहित है। 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 75वें स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इस सोच को और अधिक मजबूत किया, जब उन्होंने पंच प्रण (5 संकल्प) के बारे में बात की, उन्होंने प्रत्येक भारतीय से गुलामी की हर मानसिकता को साबित किया है। आज इसी सोच को आत्मसात करते हुए भारत के युवा वर्ग ने अपनी परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक जड़ों के साथ एक सचेत जुड़ाव साबित किया है। आज के भारतीय युवा हाथ में स्मार्टफोन लेकर ग्लोबलाइज्ड दुनिया में घूम रहे हैं, लेकिन आधुनिकता और विरासत के बीच संतुलन साधते हुए वे भारत की सदियों पुरानी परंपराओं के जरिए अर्थ, पहचान और निरंतरता की तलाश भी कर रहे हैं। आज मंदिर जाना, तीर्थयात्रा करना, भारतीय दर्शन, योग और शास्त्रीय संगीत जैसी प्राचीन प्रथाओं में दिलचस्पी सिर्फ पुरानी पीढ़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय युवाओं के लिए ये जुड़ाव आंतरिक संतुलन की एक अद्भुत अभिव्यक्ति है। हाल ही में यह बदलाव नए साल की शाम के जश्न के दौरान युवाओं में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दिया, जब हजारों युवाओं ने काशी विश्वनाथ मंदिर, राम मंदिर, अयोध्या, बकेलिहारी वृंदावन और श्री तरुणित बाला जी के मंदिर में नए साल का स्वागत करना का फैसला

अपने मूल की ओर लौट रहा भारतीय युवा

आजकल जैन-जी शब्द काफी पॉपुलर हो रहा है। जो आज के युवाओं को प्रतिबिंबित करता है यानी 1995 से 2010 के बीच पैदा हुए लोग। यह पीढ़ी डिजिटल दुनिया, सोशल मीडिया व टेक्नोलॉजी के साथ बड़ी हुई है और वे अपनी तेज-तरंग सोच व बदलावों के लिए जानी जाती हैं। आज जैन-जी शब्द भारत में घर-घर की बातचीत का हिस्सा बन गया है। इस शब्द ने अपनी खुद ही कई तरह की राय बनाई है। कुछ लोग जैन-जी पीढ़ी के जोश, आजादी और सोच की स्पष्टता की तारीफ करते हैं, तो कुछ को लगता है कि नेपाल, बंगलादेश और मेडागास्कर जैसे देशों में सरकारों को ध्वस्त करने के लिए इस पीढ़ी के अंदर का गुस्सा और खेचैनी ही जिम्मेदार है। इन सब बहसों के बावजूद युवाओं में जो झुंझ, उत्साह और ऊंचाइयों को छू लेने की चाहत है, उसे नकारा नहीं जा सकता। अनेक लोगों ने भारत में जैन-जी यानी युवा शक्ति को भटकाने का हर संभव प्रयास किया, मगर भारत की जैन-जी ने भारत में विनाश नहीं, भारत के विकसित होने के संकल्प को चुना है। उन्होंने भारत के विकास में खुद को झोंक देने की प्रतिबद्धता को साबित किया है। आज भारत की सफलता की कहानियों में भारत के युवाओं की कहानी है। भारत की जैन-जी को स्व का बोध है और इसलिए वह अमृत काल का अमृत वर्ग बनकर उभरा है। भारत का उत्थान भारत के मूल में ही समाहित है। भारत का भविष्य और उसकी प्रगति उसकी गहरी सांस्कृतिक जड़ें, समृद्ध परंपराओं, प्राचीन ज्ञान, स्वदेशी क्षमताओं और आत्मनिर्भरता के भाव में ही निहित है। 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 75वें स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इस सोच को और अधिक मजबूत किया, जब उन्होंने पंच प्रण (5 संकल्प) के



बारे में बात की, उन्होंने प्रत्येक भारतीय से गुलामी की हर मानसिकता से मुक्ति और अपनी विरासत पर गर्व करने की अपील की। आज इसी सोच को आत्मसात करते हुए भारत के युवा वर्ग ने अपनी परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक जड़ों के साथ एक सचेत जुड़ाव साबित किया है। आज के भारतीय युवा हाथ में स्मार्टफोन लेकर ग्लोबलाइज्ड दुनिया में घूम रहे हैं, लेकिन आधुनिकता और विरासत के बीच संतुलन साधते हुए वे भारत की सदियों पुरानी परंपराओं के जरिए अर्थ, पहचान और निरंतरता की तलाश भी कर रहे हैं। आज मंदिर जाना, तीर्थयात्रा करना, भारतीय दर्शन, योग और शास्त्रीय संगीत जैसी प्राचीन प्रथाओं में दिलचस्पी सिर्फ पुरानी पीढ़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय युवाओं के लिए ये जुड़ाव आंतरिक संतुलन की एक अद्भुत अभिव्यक्ति है। हाल ही में यह बदलाव नए साल की शाम के जश्न के दौरान युवाओं में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दिया, जब हजारों युवाओं ने काशी विश्वनाथ मंदिर, राम मंदिर, अयोध्या, बकेलिहारी वृंदावन और श्री तरुणित बाला जी के मंदिर में नए साल का स्वागत करना का फैसला

किया। ऐसे समय में जब आमतौर पर शहरी त्योहारों और नइटलाइफ से जुड़ा होता है, दुनिया के सबसे पुराने आध्यात्मिक केंद्रों में युवा भक्तों की भीड़ का नजारा गहरा सकेतिक मतलब रखता है। इतना ही नहीं विगत वर्ष प्रयागराज कुंभ मेले में सबसे अधिक युवाओं की सहभागिता रही। मेरे प्रवास के दौरान मैं कई बार देखा हूँ कि अनेक युवा भारत को देखने, समझने और जानने के लिए पैदल यात्रा, साइकिल यात्रा और ट्रेन यात्रा कर रहे हैं। यह दिखाता है कि भारत का जैन-जी इस आधुनिक युग में विकास और विरासत भी के मंत्र के साथ अपनी ही परंपराओं को लेकर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। इस जैन-जी की असली ताकत को पहचानने का काम सबसे पहले स्वामी विवेकानंद ने किया। उन्होंने कहा था कि मेरा विश्वास युवा पीढ़ी पर है- आधुनिक पीढ़ी पर है। उन्हीं में से मेरे कार्यकर्ता निकल कर आगे आएँगे, जो सिंह के समान विश्व की सारी समस्याओं को सुलझा देंगे। हम देखते हैं कि आजादी के आंदोलन में इसका प्रभाव बहुत अधिक देखने को मिला, कई प्रमुख क्रांतिकारियों जैसे भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, अरविंदो घोष, पूर्णदत्ताथ दत्त और हेमचंद्र घोष

ओडिशा के संबलपुर में आईआईएम का खुलना इसके उदाहरण हैं। 2014 के बाद 11 केंद्रीय विश्वविद्यालय, 14 आईआईएम और 7 नए आईआईटी स्थापित किए गए हैं। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। एक महत्वपूर्ण मिशन-भारतीय शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण भी इसी कालखंड में प्रारंभ हुआ है। इसके अंतर्गत भारतीय शिक्षा संस्थान, जैसे आईआईटी, आईआईएम और डीम्ड विश्वविद्यालय, विदेश में अपने परिसर खोल रहे हैं। यह सिलसिला तेजी से बढ़ता दिख रहा है। इसी के साथ विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय भी भारत में अपने परिसर या अंतरराष्ट्रीय कार्यालय स्थापित कर रहे हैं। आने वाले समय में कई विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत स्थित परिसरों में पठन-पाठन देखने को मिल सकता है। भारत में भारतीय शिक्षा संस्थानों की विश्व रैंकिंग में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त हो रहे हैं। इसके साथ ही भारतीय शोध के अंतरराष्ट्रीयकरण को दिशा में कार्य करते हुए टाटा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के बारह वर्ष पूरे होने वाले हैं। इन पूरे कालखंडों में अनेक विकासपरक मिशनों के लिए याद किया जाएगा। इसमें अनेक प्रशासनिक सुधारों के कार्य संपन्न किए गए। प्रधानमंत्री मोदी का प्रशासनिक दर्शन, जो अब तक उनके कार्यों से परिलक्षित हुआ है, वस्तुतः व्यवस्था को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाने का रहा है। जनता के लिए योजनाएं बनाना, उन्हें लागू करना और उनके सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक प्रभावों को समझना तथा उन्हें और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समय-समय पर उनमें सुधार कर नया रूप देना प्रधानमंत्री मोदी की प्रशासनिक कार्यशैली का मूल तत्व है। आज इसी सुचिंतित नीति-निर्माण प्रक्रिया के कारण भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। विकसित भारत का मिशन इस लक्ष्य का आधार तत्व है।

आजादी के बाद भारत के विकास इतिहास के इस विशिष्ट कालखंड में देश ने बड़े सपने देखे हैं और उन्हें साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विकास के इस इतिहास में भारतीय शिक्षा के नवाचारी उन्नयन का भी एक बड़ा योगदान है। इसी कालखंड में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 बनी और लागू हुई। अब उसे लागू हुए पांच वर्ष हो चुके हैं। आजाद भारत में एक नवाचारी, रचनात्मक और गैर-ओपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था की शुरुआत भी इसी दौर में हुई। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के क्रम में अनेक नवाचारी कदम उठाए। एक ओर स्कूली शिक्षा के लिए एनसीईआरटी के नए पाठ्यक्रम विकसित किए गए, तो दूसरी ओर केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों जैसे सरकारी स्कूलों के नेटवर्क का विकास, विस्तार और संवर्धन किया गया। इस कालखंड में भारत में स्कूली शिक्षा का क्षैतिज विस्तार संभव हो सका। दूर-दराज के

संस्कूलों में बिजली की उपलब्धता, कंप्यूटर एवं डिजिटल संसाधनों का विस्तार, खेल मैदान और पुस्तकालय जैसी सुविधाओं में 2014 के पूर्व की तुलना में लगभग दोगुनी वृद्धि हुई है। प्रति बच्चे शिक्षा पर किए जाने वाले सरकारी खर्च में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने लगभग 130 प्रतिशत की वृद्धि की है। शिक्षा को वंचित और कमजोर तबकों को सशक्त बनाने के साधन के रूप में विकसित करते हुए इससे जुड़ी नौकरियों और नामांकन में महिलाओं, दिव्यांगों, दलितों और पिछड़े वर्गों की समुचित सहभागिता सुनिश्चित की गई है। स्कूली शिक्षा में भारतीय भाषाओं को शिक्षण-प्रशिक्षण का माध्यम बनाने की प्रक्रिया निरंतर आगे बढ़ रही है। 23 भाषाओं में कक्षा-1 और 2 की पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जा

Social Media Corner

सच के हक में...

कन्या को लक्ष्मी मानने वाले हमारे देश में 11 साल पहले 22 जनवरी को ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत हुई थी। यह बड़े गर्व की बात है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित-नए रिकॉर्ड बना रही हैं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)



महान स्वतंत्रता सेनानी टाकूर रोशन सिंह जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। अपने शौर्य और साहस से अंग्रेजी हुकूमत की नींव नीलने वाले टाकूर रोशन सिंह जी ने युवाओं को समर्पित कर सशस्त्र क्रांति के लिए प्रेरित किया। काकोरी ट्रेन एक्शन के माध्यम से उन्होंने देश के संसधानों की लूट के बिरुद्ध युधिष्ठिर शुरु की। वंदे मातरम का जयघोष करते हुए अपने प्रणों को न्योछवर कर देने वाले रोशन सिंह जी हर एक देशवासी के लिए राष्ट्रप्रा की प्रेरणा हैं।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)



हमने महात्मा गांधी जी के नाम से मनरेगा शुरु किया था, लेकिन ये सरकार इसे तबाह करने पर तुली है। मनरेगा को खत्म कर सरकार ने ग्रामीण भारत के गरिबी, कमजोर तबकों पर हमला किया है, जिसका देशभर में विरोध हो रहा है। जल्द ही बजट सत्र शुरु होने वाला है, जिसमें हम मनरेगा के मुद्दे को उठाएंगे। देश के तमाम हिस्सों में कांग्रेस पार्टी गांव स्तर पर इस गंभीर मुद्दे को आंदोलन के रूप में लेकर जा रही है। मनरेगा को फिर से लागू करना ही पड़ेगा। इस कानून को उसी तरह बचाए लेना होगा, जैसे तीन काले कृषि कानूनों को लेना पड़ा था। मैं इस मुद्दे पर आप सबसे कुछ अपील करना चाहता हूँ। यह लड़ाई किसी दल की लड़ाई नहीं। गरीब और कमजोर लोगों के हक हड़कू की लड़ाई है।

(बाबूलाल मराठी का 'एक्स' पर पोस्ट)



संवाद, संयम और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत

मध्य-पूर्व एक बार फिर वैश्विक राजनीति के सबसे विस्फोटक केंद्र के रूप में उभर आया है। ईरान में जिस तरह के प्रदर्शन सत्ता परिवर्तन के लिए हो रहे हैं, इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीधे हस्तक्षेप कर रहे हैं। उसके बाद ईरान सरकार द्वारा परमाणु बम को लेकर जो धमकी दी जा रही है, परोक्ष-अपरोक्ष धमकियां, अमेरिका का ईरान में सत्ता परिवर्तन के संकेतों वाला हस्तक्षेपकारी रवैया और इजरायल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ तेज होता आंतरिक विरोध। यह सभी घटनाएं अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को गंभीर अस्थिरता की ओर धकेलती दिख रही हैं। इसका असर सारी दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी और सामरिक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है। सवाल यह है कि क्या मौजूदा हालात दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर ले जा रहे हैं। क्या सारी दुनिया को आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ सकता है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय से पश्चिमी देशों की चिंता का विषय रहा है। अमेरिका और उसके सहयोगी क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं, जबकि ईरान परमाणु कार्यक्रम को अपनी संप्रभुता और आत्मरक्षा से जोड़ता है। यदि अमेरिका सीधे ईरान पर सैन्य हमला करता है तो यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहेगा। इसके वैश्विक नतीजे देखने को

मिलेंगे। ईरान को चीन और रूस खुलकर मदद कर रहे हैं। मध्य-पूर्व में पहले से ही अस्थिरता चरम पर है। एक चिंगारी पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में झोंक सकती है। ऐसी स्थिति में रूस और चीन की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। रूस, जो पहले से ही यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिम से टकराव में है, ईरान को वह रणनीतिक साझेदार मानता है। अमेरिका के एक तरफा सैन्य हस्तक्षेप का कड़ा विरोध रूस करेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। कूटनीतिक मंचों पर हो या अप्रत्यक्ष सैन्य सहयोग के रूप में चीन भी हर हालत में ईरान के साथ रहेगा। चीन ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार संतुलन को लेकर सजग रहता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से टैरिफ लगाकर सारी दुनिया के देशों को भयाक्रंत किए हुए हैं, उसके बाद चीन युद्ध को खुलकर समर्थन भले न दे, अमेरिका-विरोधी ध्रुवीकरण में वह ईरान के पक्ष में ही मजबूती के साथ खड़ा होगा। इससे स्पष्ट रूप से दुनिया के देश बहुध्रुवीय संघर्ष की ओर बढ़ेंगे। इजरायल के भीतर नेतन्याहू सरकार के खिलाफ बढ़ता जनआक्रोश भी इस संकट को जटिल बनाता है। आंतरिक राजनीतिक दबाव कई बार सरकारों को बाहरी दुश्मन के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए प्रेरित करता है, ताकि घरेलू असंतोष से ध्यान हटाया जा सके। दुनिया कई देशों में महंगाई और बेरोजगारी को

लेकर वहां की सरकारों के खिलाफ उग्र प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं, जिसके कारण वर्तमान स्थिति में यह प्रवृत्ति क्षेत्रीय शांति के लिए घातक हो सकती है। दूसरी ओर अमेरिका के भीतर डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बढ़ते प्रदर्शन, यूरोपीय देशों विशेषकर कनाडा और ग्रीनलैंड से जुड़े विवाद, अमेरिकी नेतृत्व की वैश्विक विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। यूरोप अब पहले की तरह बिना सवाल किए वाशिंगटन की राह पर चलने को तैयार नहीं दिख रहा है। इन सभी घटनाओं का सम्मिलित प्रभाव यह संकेत देता है, दुनिया एक खतरनाक मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है। जिस तरह की आर्थिक चुनौतियां तथा कर्ज की समस्या से सभी देशों को महंगाई और बेरोजगारी जैसे मामलों में अपने ही देश की जनता का विरोध झेलना पड़ रहा है। आर्थिक स्थिति दिनों दिन खराब हो रही है। वर्तमान तनाव को देखते हुए सीधे तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत कहना फिलहाल जल्दबाजी होगी। लेकिन, इतना स्पष्ट है, यदि कूटनीति का स्थान सैन्य ताकत के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, तो परिणाम विश्व के लिए विनाशकारी होंगे। वर्तमान में आवश्यकता शक्ति-प्रदर्शन की नहीं, बल्कि संवाद, संयम और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की है। जिस तरह से वैश्विक व्यापार संधि का पालन अमेरिका सहित समर्थ देशों द्वारा नहीं किया जा रहा है।

Changing political skylines of Mumbai

Mumbai has always been important in national politics—even before Independence, and more so in the post-Independence period. Once, the fates of Maharashtra and Gujarat—together, as parts of Bombay State till 1960—were anchored to this port city. Later, Mumbai became central to the demand for a separate linguistic state, as leaders of the Samyukta Maharashtra Movement (1956-1960) gave the call for “Mumbai saha Maharashtra” (Maharashtra with Mumbai), despite facing violent police action. Before the new state was carved out on May 1, 1960, the central government even considered making Mumbai a Union Territory or giving it to Gujarat. But Mumbai remained with Maharashtra.

Given this intense formative history linked to identity, the latest Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) election can be viewed as a major blow to the Marathi identity of the country's richest municipality. The Shiv Sena's loss of the BMC after almost three decades is seen less as a loss of resources and more as the erosion of a bastion of the ‘Marathi mannos’ (Marathi person). The tussle appears to be over the city's identity, shaped since Bal Thackeray's Shiv Sena displaced the Congress in 1997. One has to delve into the city's political economy and spatial distribution to understand how these elections may determine the future of state and national politics. Among the most notable factors is how the city's neoliberal economic model has given an upper hand to the non-Marathi-speaking population—specifically, the Gujarati-Marwari business community. While many of Mumbai's non-Marathi ghettos are swanky, they offer limited mobility for Marathi speakers because of prohibitive costs and relatively low average community incomes. Those who have not yet been forced to migrate to other municipalities within the Greater Mumbai Metropolitan Region remain confined to older buildings and chawls. Recent infrastructural developments—such as the Coastal Road, the Bandra-Kurla Complex connector bridge and the Worli Sea Link—combined with a changing skyline, have altered perceptions of Mumbai. These could be highlighted by the new mayor and corporators to project a Gujarati-centric, if not cosmopolitan, outlook, ultimately blurring the visible markers of Marathi language and culture. In the long run, this will electorally benefit the BJP's urban cadre. Another aspect of the political economy is ‘gentrification’. The groundwork has already been laid for the new BMC to expand this phenomenon. Major projects of the city's development department—including the redevelopment of chawls and other hutments in Worli, Ramabai Ambedkar Nagar and Dharavi—would now be easier to execute. The political gains could be long-lasting, as these ghettos' collective aspirations historically produced voting patterns favouring the Congress, the erstwhile Republican Party of India and the Bharipa Bahujan Mahasangh (later called the Vanchit Bahujan Aghadi). Gentrification would disrupt this pattern and disperse these voters, giving a natural advantage to monolithic party structures like the BJP's. Electorally, the BJP has been in firm control of the state since the Assembly elections of 2024. The BMC results could further push the city's real estate-driven development agenda. The central government, too, may promote Mumbai along the lines of GIFT City near Ahmedabad, with a view to woo fence-sitting Marathi voters and ensure a more complete electoral consolidation of the state.

There are two Mumbais within the city. One is the Mumbai of the Marathi working class, with limited resources and smaller housing units; the other is the wealthier Mumbai of the business community. Political competition between the two is determined not only by demographic and spatial factors, but also by the resources these communities command.

Chance for India to bridge the Gulf

UAE President's flying visit to Delhi comes in the backdrop of regional discord

UNITED Arab Emirates President Sheikh Mohamed bin Zayed Al Nahyan, widely known as MbZ, made a flying visit to New Delhi on Monday. The absence of any prior indication about the visit implies that it concerned the rapidly changing geopolitical scenario in the Gulf and West Asia. The UAE, a coalition of Trucial States formed after the British exit the region in 1971, traditionally followed a status quo-based non-confrontational foreign policy. In 2002, an Indian delegation visited the UAE, when I was the Ambassador, after the terror attack on the Indian Parliament. Then President Sheikh Zayed bin Sultan Al Nahyan, MbZ's father, received the visitors.

When asked about the foreign military presence in the region, the late leader recounted an old Arab tale. A farmer was frequently losing his sheep to wolves. Someone advised him to keep dogs. He did so, only to discover that he had to kill sheep often to feed the dogs. Sheikh Zayed's message was that foreign intervention did not benefit the region. Now MbZ is an English-speaking former air force pilot and the Supreme Commander of the UAE armed forces. He has controlled foreign policy since his father's death in 2004, even when his brother was President. According to his diplomatic adviser, Anwar Gargash, the UAE's priorities are to counter extremism and promote regional security. This underscores its opposition to the Muslim Brotherhood, which is seen as an existential threat. The UAE and Saudi Arabia had resented the ouster of former Egyptian President Hosni Mubarak by the Arab Spring protestors in 2011, to which then US President Barack Obama had seemingly turned a blind eye. Both countries supported the Egyptian military to subsequently overthrow the Muslim Brotherhood government.

The Gulf and West Asia have been unstable since US President Trump's first term. The confrontation between Qatar and its two powerful neighbours, the UAE and Saudi Arabia, began soon after Trump's visit to Riyadh. Qatar was blockaded (2017-21) for supporting Islamist forces. Trump also abandoned the nuclear deal with Iran, approved by the Permanent-Five plus Germany. The UAE and Saudi Arabia are the two largest economies in West Asia. MbZ helped Saudi Crown Prince Mohammed bin Salman, widely known as MbS, to consolidate power. When Saudi operatives murdered Saudi journalist Jamal Khashoggi in Turkey in 2018 on MbS' alleged instructions, it was MbZ who handled the Americans. However, as the Saudis, the custodians of the Two Holy Mosques, consider themselves the apex of the Arab and Muslim world, Saudi-Emirati differences

gradually developed and their geopolitical visions came into conflict. In diplomacy, friendship is transitory while interests are permanent. The UAE broke the regional consensus by signing the Trump-devised Abraham Accords in 2020 and normalising relations with Israel, while the Palestinian issue remained unresolved. It began backing secessionist forces in Yemen, Somalia and Sudan, ostensibly to counter Islamist forces. These three nations lie along the Red Sea, facing Saudi Arabia and the Bab al-Mandab. The UAE's interests converged with those of Israel and the US. President Trump's



second term has exacerbated the regional churn, especially since the June 2025 Israel-US air attacks on Iranian nuclear facilities. On September 9, Israel attacked Hamas leaders' facilities in Qatar. MbZ rushed to meet the Saudi Crown Prince after a noticeable gap marked by the absence of communication. On September 15, the GCC met to review the situation. Two days later, Saudi Arabia and Pakistan signed the Strategic Mutual Defence Agreement, with a clause mirroring NATO's Article 5, about an attack on one nation being considered as an attack on both. Soon enough, Yemen became a flashpoint. Early on till 2019, the UAE had joined Saudi Arabia in military operations in Yemen, but later preferred to support Yemeni rebel factions; the Saudis continued to back government forces. Reportedly, Israeli intelligence was positioned on UAE-controlled Yemeni island Socotra. While in Africa, Israel recognised Somaliland, a breakaway part of Somalia—the Emiratis are developing a port there.

The Saudis retaliated strongly, telling the UAE to withdraw its forces from Yemen and bombing the military equipment sent by UAE. Egypt, the other big Arab power, began to speak in favour of the Saudis — both clearly wanted to restrict Israeli strategic expansion

in the Red Sea region. Essentially, the Saudi and Emirati visions are at odds. The Saudis favour state-to-state engagement to stabilise domestic or regional conflicts. The UAE likes to cultivate dissident and breakaway factions, like in Yemen, if it promotes stability and controls supply routes, minerals and energy. So as the Saudis attempted to limit Emirati geopolitical play in the Arab world, MbZ made his first visit to Pakistan as President last month. The UAE Sheikhs and Pakistan have been close for decades, but Pakistan had meanwhile signed a defence deal with the Saudis. The Emiratis were seeking to restore a balance in ties with traditional friends against the backdrop of their exposed closeness to Israel and conflict with Saudis. President Mohamed bin Zayed's trip to India must be seen in this context. PM Modi's government has invested heavily in his outreach to ruling families in the Gulf, especially those in Abu Dhabi. The Indian diaspora in the UAE numbers 3.5 million or 35 per cent of the population. As many as one-third are professionals.

The UAE is India's third-largest trading partner and second-largest export destination. In 2024-25, Indian exports were \$36.73 billion, while imports touched \$63.64 billion. Despite its small population and the local market, the UAE is the favoured entrepôt for Indian exports to the Gulf, Iran, Central Asia and even Pakistan. The UAE's cumulative FDI in India is \$22.84 billion (2000-25), a mere speck in Abu Dhabi's nearly \$1 trillion sovereign fund. The two signed an economic partnership deal in 2022. Both are members of BRICS and I2U2, a forum that comprises India, Israel, UAE and the US.

Still, the path ahead is not easy. Pathbreaking deals like the 2023 India-Middle East-Europe Economic Corridor (IMEC), which will pass through the UAE, Saudi Arabia, Jordan and Israel, are stymied by the standoff between Iran and Israel-US as well as the Saudis and Emiratis. The competing visions for stability in the Gulf is split between US-Israel-UAE and Saudi Arabia-Egypt-Turkey. Pakistan is playing both sides. In this fragmented world, here is the opportunity for PM Modi to leverage India's traditional warmth with all sides and demonstrate that “Vishwaguru” is more than a phrase. India can start bridging some of the divides, beginning with Modi's substantive relationship with Israeli PM Benjamin Netanyahu. With large-scale protests continuing in Iran and the US moving more ships and aircrafts into India's extended neighbourhood, the situation remains fragile. President Mohamed bin Zayed's short visit to India is indicative of the churn in the Gulf and the need for India to be more proactive.

HP govt must take tourists to task for defying advisories

The Tribune Editorial: Tourism cannot be a free pass for rash and incautious conduct, certainly not in the hills.

REPEATED warnings and safety advisories are not having the desired effect as tourists continue to put their lives at great risk in Himachal Pradesh. Despite signposts prohibiting any such reckless activity, many continue to venture close to riverbeds or walk on frozen lakes. Patrolling has been intensified and fines are now being imposed in Lahaul & Spiti district. The authorities must crack the whip with hefty penalties, not token amounts, and mention in bold letters the consequences of indulging in grossly irresponsible behaviour. The death of two tourists in Arunachal Pradesh last week serves as a painful reminder of past tragedies in Himachal. Both drowned as the ice cracked while they were trying to rescue a member of their group who slipped into the frozen Sela Lake. The site has signboards prohibiting stepping onto the lake as the ice may be unstable and unable



to support human weight. Tourism cannot be a free pass

for rash and incautious conduct, certainly not in the hills. Respect for the topography, cultural norms, local sensitivities — each aspect is vital for the host as well as the guest. That's what makes the journey special. Fiddle with it, and the results can be disastrous.

The time has come for the Himachal tourism authorities, the law enforcement agencies and all the stakeholders to spell out in clear terms what is simply not acceptable. A standard quick response mechanism is perhaps the only solution to tackle unruly activities, including hooliganism, that are threatening to disturb a tourism ecosystem that's been carefully nurtured over decades. Weather, road and safety advisories carry enormous weight in the mountains.

The defiance by some, of late, is deeply disturbing. If stringent action is what it takes to instil discipline and enforce order, the state government must not think twice.

Name game is an insult to Dyal Singh's legacy

Mobilising public opinion against the proposal to rename the college would be a true tribute to Dyal Singh Majithia.

S ARDAR Dyal Singh Majithia (1848-98) was a great philanthropist, champion of intellectual freedom and social worker. He established three Trusts — the Tribune Trust, the College Trust and the Library Trust. He was also the founder of The Tribune (February 1881) and Punjab National Bank (May 1894). Dyal Singh College, Lahore, was established in 1910 by the Dyal Singh College Trust Society, as per the instructions in Article 8 of Majithia's will. Currently, it is known as Government Dyal Singh College, Lahore, and is among the best colleges in Pakistan.

After Independence, most of the assets of the Dyal Singh College Trust Society remained in Lahore. The Trust faithfully carried forward Majithia's legacy, will and ideology, establishing Dyal Singh College, Karnal (1949), Dyal Singh Public Library, Delhi (1954-55), and Dyal Singh Evening College, Delhi (1958). Dewan Anand Kumar, founding Vice-Chancellor of Panjab University, Chandigarh, played a crucial role in establishing these educational institutions. His father, Raja Narendra Nath, was Majithia's associate.

Facing a financial crisis, the Trust had to sell land of the Karnal college and establish Dyal Singh Colony. However, the crisis deepened. As a result, in 1978, Dyal Singh College (Morning and Evening) was transferred to Delhi University (DU) through an agreement, and the Trust did not receive any compensation in return. According to Clause 12 of the agreement, “the institution will continue to be known as Dyal Singh College”. It is clear that no individual or government has the right to alter the terms of the pact.

As per data for the 2025-26 academic session, there are over 6,000 students in the morning college and around 3,000 in the evening college. The controversy surrounding the name change is not new. In November

2017, Amitabh Sinha, then Chairman of the Dyal Singh College Governing Body, announced that Dyal Singh Evening College would be renamed Pandit Madan Mohan Malaviya College. However, the proposal did not go through. On November 17, 2017, he succeeded in getting a proposal passed by the college's Governing Body to rename the institution as Vande Mataram Mahavidyalaya and turn it into a morning college; the final approval was to be given by the Vice-Chancellor of the university. The move triggered a controversy.

Leaders of the Shiromani Akali Dal, then a BJP ally, as well as the Congress, condemned the decision. Manjinder Singh Sirsa (an MLA who served as general secretary of the Delhi Sikh Gurdwara Management Committee), and Tarlochan Singh, ex-MP, demanded that the proposal be withdrawn.

Avtar Singh Makkar, then president of the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee, also opposed the move. Akali leader Harsimrat Kaur Badal, then a minister in the BJP-led NDA government, said the proposed name was “unacceptable”. Punjab's former Deputy CM Sukhbir Singh Badal called it “unnecessary and mischievous” and urged the Prime Minister to intervene. This decision was also slammed by academics and journalists. A meeting in this regard was convened on November 27, 2017, at Gurdwara Rakab Ganj Sahib in Delhi, chaired by renowned journalist Kuldip Nayyar. On December 8, 2017, we held a press conference and described this step as an insult to a great personality. I had a detailed telephone conversation

with then Union Minister SS Ahluwalia regarding the college and he promised to escalate the matter.

On December 19, 2017, during Zero Hour in the Rajya Sabha, several MPs, including Anand Sharma, Ambika Soni, Oscar Fernandes, SS Dhindsa and BK Hariprasad, supported Naresh Kumar Gujral's proposal. The then



Union Minister for Human Resource Development, Prakash Javadekar, told the MPs that the decision to rename Dyal Singh Evening College was not taken by the Central government. Therefore, he announced a stay on the Governing Body's decision. On December 26, 2025, on the occasion of Veer Bal Diwas, DU Vice-Chancellor Yogesh Singh raised the issue of renaming Dyal Singh Evening College. He said, “We want to

rename Dyal Singh Evening College after Banda Singh Bahadur.” He used the word “we”, which implies that he is not the only player in this name-change game. DU officials argue that having two colleges named after Dyal Singh causes confusion among students. However, no such confusion has been witnessed for the

past over six decades. The current situation is completely different from that of 2017. At that time, the proposal to change the name came from the Governing Body of Dyal Singh Evening College, but the 2025 proposal is from the Vice-Chancellor, and its approval will be sought from the Delhi University Executive Council. Based on my long experience in the field of education, I have observed that most members of college and university executive councils are yes-men who have their own axe to grind. The Dyal Singh Evening College Staff Association unanimously passed a resolution opposing the Vice-Chancellor's proposal. According to the resolution, “This college has long been associated with the esteemed Sardar Dyal Singh Majithia and his memory. All teachers, non-teaching staff and students are deeply attached to this name. We have to say that such an important decision has been taken without prior consultation with the stakeholders. This matter was neither discussed in the Staff Council nor shared with the Staff Association.” According to NN Vohra, former Governor of Jammu & Kashmir and Chairman of The Tribune Trust, any move to change the college's name would be “extremely inappropriate and ill-advised”.

FDI flows to India surged by 73% in 2025: UNCTAD

New Delhi.(Agency)

Foreign Direct Investment (FDI) in India surged by 73 per cent last year, bringing in USD 47 billion, according to UNCTAD.

The increase was "mainly due to large investments in services -- including finance, IT (information technology), and R&D (Research and Development) -- as well as manufacturing, supported by policies aimed at integrating India into global supply chains", the UN trade agency said in a report released on Tuesday. Investments in data centres in India totalled USD 7 billion during the first three quarters of last year, according to the latest issue of the Global Investment Trends Monitor. That put India in seventh place among the countries receiving investments for data centres during that period.

However, in the fourth quarter, FDI in the sector jumped significantly, making the sector ever more dynamic. Google announced in October that it was investing USD 15 billion in an AI hub in Andhra Pradesh. In December, Microsoft announced USD 17.5 billion investments in AI and cloud infrastructure, and data centres. And also in December, Amazon said it would invest USD 35 billion in AI and other sectors. These investments are likely to be spread over a few years. Globally, the report said FDI increased last year by 14 per cent to USD 1.6 trillion. "Industry trends in 2025 show that data centres now shape the FDI landscape; they accounted for one-fifth of global greenfield project values," the report said. With demand driven by AI infrastructure and proprietary digital networks, announced investments in the area exceeded USD 270 billion, according to the report.

Semiconductors was another area showing high growth, with the value of newly announced projects increasing by 35 per cent, it said.

In areas that were exposed to tariff risks, project numbers fell sharply by 25 per cent, according to UNCTAD.

A New Age Of War Is Here: Why India's Next Budget Faces Its Biggest Security Test

New Delhi.(Agency)

The government is preparing the next Union Budget at a time of serious global tension. The world is facing instability, uncertainty and growing military threats, not seen since the Second World War. In this situation, national security planning is no longer limited to protecting borders only.

For a rising power like India, security now extends across land, sea, air, cyberspace and outer space. The country's challenges go well beyond traditional borders. Complicated relations with neighbouring countries and long coastlines have increased India's defence needs. Rapid changes in the nature of warfare and the rise of high-technology weapons have made security threats multi-layered. Simple procurement of weapons or short-term upgrades no longer offer solutions. Armed forces now require full-spectrum modernisation and readiness for future forms of warfare. Recent conflicts have highlighted this change. Operation Sindoor, the United States strikes on Iran, the Russia-Ukraine war and the Israel-Hamas conflict have shown that decisive battles increasingly take place in the air and across advanced technological domains. China's rapid build-up of military infrastructure along border areas, deployment of advanced weapons and investments in cyber and space warfare have added pressure. Pakistan-backed terrorism and proxy conflict now include drones, UAVs and cyber attacks. These trends have raised the level of complexity. In the maritime domain, China is growing naval presence in the Indian Ocean, investments in strategic ports and efforts to dominate sea lanes pose serious challenges to India's maritime security.

Capex allocation seen to grow at 8-10% to Rs 12 lakh cr

New Delhi.(Agency)

Analysts don't expect a significant jump in allocation to capital expenditure (capex) in this year's budget as they are of the view that the government must first try and fix the gaps in spending for better impact on the economy. In fact, analysts feel the government must focus more on encouraging private investment. Many analysts TNIE spoke to put the capex allocation in the 11.6-12 lakh crore range for FY27 while estimating a lower than budgeted capex in the current financial year. The growth in capex has been pegged at 8-10% in FY27. This would include the target-based capex loan provided to the states.

Even within the government, there is a feeling that there should be some stock-taking of the quality of capex. "The last Budget signalled a pause to review and reassess priorities rather than continue spending mechanically. The focus is now shifting from simply raising the capital share of the Budget to identifying gaps in public goods and infrastructure and directing spending more strategically to address those gaps," said a senior government official on the condition of anonymity. The government had last year budgeted for Rs 11.21 lakh crore capex allocation in the FY26. However, analysts feel the government might spend not more than Rs 11 lakh crore in the current financial year. In the April-November 2025 period, the government has spent Rs 6.6 lakh crore. Dharmakirti Joshi, chief economist at Crisil Limited, says the central government's capital expenditure can be budgeted to grow in line with the rate of nominal GDP and should be complemented by measures to encourage private investment. The nominal GDP has been pegged to grow at 10%. According to Radhika Rao, chief economist at DBS Bank, the Centre's capex budget in FY27 would stay around 3.0-3.1% of GDP, up 7-8% yoy from FY26, with an emphasis on identifying shovel-ready and greenfield projects.

Gold and silver keep soaring to record highs, but is it a boom or a bubble

In 2025, gold delivered its strongest annual gains in nearly 50 years, while silver posted its best returns ever. That strength carried into 2026, with silver crossing the Rs 3,00,000 per kg mark in India.

New Delhi.(Agency)

Gold and silver have seen an unprecedented rise over the past year, but the rally briefly paused after recent comments by the US President eased geopolitical tensions.

US President Donald Trump ruled out the use of force to take control of Greenland and dropped plans to impose fresh tariffs on European allies. These comments eased fears of a wider trade conflict, which had been weighing on global

equities. Precious metals slipped after safe-haven demand weakened, and the dollar strengthened, showing how sensitive bullion prices remain to global headlines. In India, gold fell to Rs 150,870 per 10 grams, down Rs 2,940 or 1.91%, while silver dropped to Rs 310,770 per kg, losing Rs 6,460 or 2.04%. The fall came after gold had climbed to record highs globally, reminding investors that even strong rallies can see sudden reversals.

A ONCE-IN-A-GENERATION RUN FOR PRECIOUS METALS

Despite the recent fall, the bigger picture for precious metals remains striking. In 2025, gold delivered its strongest annual gains in nearly 50 years, while silver posted its best returns ever. That strength carried into 2026, with silver crossing the Rs 3,00,000 per kg mark in India, a level few investors would have imagined just a few years ago. At a time when equity markets struggled to deliver meaningful returns, the surge in

gold and silver has felt surreal for investors, pushing many to question whether commodities are replacing stocks as the preferred asset class.

IS THIS A PERMANENT SHIFT AWAY FROM EQUITIES



equities. "From a market cycle perspective, the recent outperformance of gold and silver reflects a classic late-cycle or risk-off phase rather than any permanent shift away from equities. Commodities tend to find momentum in periods of high uncertainty, slower growth expectations, and tighter financial conditions," he says.

He adds, "While commodities can outperform for phases, history indicates that this is more tactical than structural. Equities remain the primary long-term creators of wealth once growth visibility improves."

WHY GOLD AND SILVER RALLIED SO SHARPLY

According to Trivesh D, the rally has been driven by several global factors working together. "The rally in gold and silver over the past year has been a mix of global uncertainty, geopolitical risks, expectations of lower interest rates, sustained central bank buying, and concerns around currency stability," he says.

Market experts caution against reading the rally as a long-term change in market structure. Trivesh D, COO of Tradejini, says the outperformance of gold and silver reflects the stage of the market cycle rather than a permanent move away from

Sensex, Nifty rebound as global cues improve: Is the worst finally over

New Delhi.(Agency)

Domestic stock markets finally took a breather on Thursday.

After weeks of steady bleeding, the S&P BSE Sensex jumped 789.57 points to 82,699.20 and the NSE Nifty 50 rose 252.95 points to 25,410.45. Traders who walked in expecting another dull day got a pleasant surprise instead. The spark came from overseas. US President Donald Trump suddenly softened his stance on two of his loudest threats. He backed off talk of taking Greenland by force. He also stepped away from fresh tariffs on Europe. With the fear factor cooling, buying returned across sectors. Analysts said the market was oversold and just waiting for a reason to bounce. This was enough.

Dr V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Investments Limited, did not hold back. "In yet another classic TACO, Trump has



withdrawn from his threat to annex Greenland by force," he said. "More importantly, the message that the US would refrain from imposing tariffs on Europe takes away the threat of a US Europe trade war which was dragging the markets down. The relief rally can be significant since there are about 2 lakh short contracts in the market and the setup is right for short covering."

Brokerage notes echoed the sentiment. Several pointed out that last week's fall had pushed valuations to levels where

bargain hunting usually begins. Some even flagged that foreign investor selling has slowed, a small but encouraging shift for a market that had been struggling to hold support.

Back home, the earnings picture is a mixed bag. Q3 numbers have been dented by higher provisions linked to the new labour code. Analysts expect this to be a one-time hit. Not everything is gloomy though. Eternal delivered better-than-expected revenue and profit growth from its quick commerce business, giving Dalal Street a rare domestic boost. So is the worst finally over? Too early to declare victory. But today's rebound shows the market was skidding more out of fear than fundamentals. If global cues stay calm and earnings don't spring nasty surprises, this could well be the start of steadier days on Dalal Street.

AI-Powered pricing is raising prices by up to 15%—Here's how it affects you

Kolkata.(Agency)

Artificial intelligence is no longer limited to chatbots or self-driving cars — it's now playing a major role in how companies set prices for everyday goods and services. Rather than fixed pricing, many businesses are turning to AI-powered pricing algorithms that adjust prices in real time based on customer behaviour, demand, location, and even device type. While firms market this as "smart pricing," consumer advocates warn it may be contributing to higher costs, reduced transparency, and new forms of digital price discrimination. Dynamic pricing — where prices vary according to market conditions — isn't a new idea. Airlines have used automated systems for decades to change fares based on demand. What's changed is the scale and precision of today's AI systems. Modern algorithms can instantly analyse thousands of data points to forecast what a particular

customer is most likely to pay. These tools are now widely used across e-commerce, food delivery apps, hotel

necessarily translate into lower costs for consumers or workers.

The Rise of "Personalised" Prices



booking platforms, ride-hailing services, and online retail. According to a McKinsey study, companies using AI-based pricing systems can see revenue increases of up to 15 percent, even though these gains do not

more simply because algorithms predict they can afford it. Consumer advocacy groups have raised alarms about this trend, urging greater oversight and fairness in pricing mechanisms.

Tariffs or no tariffs, here's why global CEOs are betting big on India

India's rise in CEO rankings reflects a simple reality. Global companies want growth, scale and stability, and the numbers show India is delivering more of it than most major markets right now.

New Delhi.(Agency)

Global CEOs are looking at a world that feels more fragile than it did even a year ago. Growth is uneven, new risks are emerging and confidence has slipped. Yet the latest PwC Global CEO Survey shows one trend that cuts through the gloom. More global leaders are shifting their investment plans toward India.

The survey, based on responses from 4,454 CEOs across 95 countries, finds that 13% of global CEOs planning international

investments now place India among their top three destinations. Last year that figure was 7%. The jump pushes India alongside Germany and the UK and leaves only the United States ahead as a preferred global investment market.

WHY INDIA IS AN IMPORTANT MARKET

The global backdrop makes this rise more striking. CEO confidence in short-term revenue growth has fallen to 30%, down from 38% last year. Threat perceptions are higher too. 31% of CEOs say they are highly or extremely exposed to cyber risks. 29% expect tariffs to squeeze profit margins. Another 32% admit geopolitical tensions are making them hold back large investments. India, however, is moving in a different direction. The survey shows that 42% of CEOs have pushed their companies into new sectors over the last five years as traditional revenue streams slow. The companies doing this successfully are reporting better margins and stronger confidence. India fits this shift naturally. It is one of the few major markets where consumer demand, digital adoption, manufacturing depth and



technology capability are expanding at the same time. For CEOs looking for growth beyond slowing Western markets, India offers a combination that is becoming increasingly hard to ignore. This confidence is visible in public statements. JPMorgan CEO Jamie Dimon has described India as a natural partner in a rebalancing global economy. Microsoft CEO Satya Nadella announced a \$17.5 billion investment commitment focused on AI and cloud capacity and called India central to the company's future strategy. Large retailers like LuLu Group are expanding operations in multiple Indian states because they see long-term demand and policy stability. A MARKET

NO GLOBAL COMPANY CAN IGNORE

Scale is a major part of the story. Several global research houses project that India is on track to become the world's third-largest consumer product market by 2026, behind only the United States and China.

Household consumption has almost doubled over the past decade to about \$2.4 trillion as incomes rise and urbanisation accelerates. A Bain & Company analysis found that many multinational consumer firms with Indian operations are growing faster in India than in their global portfolios, and several report that India now contributes meaningfully to shareholder returns. For global CEOs, the message is clear. Any company that is not meaningfully present in India risks missing one of the world's biggest consumer growth opportunities.

PRACTICAL BASE FOR TECH, AI DEPLOYMENT

Technology ambitions are also shaping CEO interest. Many global companies are under pressure to show results from AI investments, yet their in-house pilot projects have produced mixed outcomes.



Faridabad 'psycho killer' gets life term for woman's murder; linked to 5 more

Singh Raj, dubbed the "psycho killer," who was sentenced to life imprisonment for the kidnapping and murder of a 21-year-old woman in Faridabad, was found to have been involved in six other murders, including those of three minors and his own relatives.

New Delhi.(Agency)

A Faridabad court on Wednesday sentenced 54-year-old "psycho killer", Singh Raj, to life imprisonment for kidnapping and murdering a woman in 2022, in a case that came to light after the victim's family reported her missing to the police. According to police, Singh Raj is accused of committing a total of six murders in Faridabad, including those of three minors, his uncle and his cousin. While pronouncing the sentence, the court also imposed a fine of Rs 2.1 lakh on him in addition to the life sentence. The case for which Raj received the life term involved a 21-year-old woman from Bhupani village, whose aunt filed a missing person report in January 2022, prompting the police to register a case.

The victim's remains were later recovered on January 6, and the accused was arrested the following day. During interrogation,

Raj confessed to killing the woman and dumping her body on the banks of the Agra Canal. He admitted that he had harassed the 21-year-old victim, and that she had blackmailed him because of it, following which he called her and strangled her to death. Analysis of phone data confirmed his connection to her last known contact. Despite the absence of eyewitness testimony, prosecutors were able to gather enough evidence to proceed with the charges.

He also admitted to five other murders, including three minors, and a charge sheet in the case was filed on March 30, 2022, based on the initial complaint by the woman from Bhupani.

"During the trial, 29 witnesses testified... After hearing all parties, the

court of Additional Sessions Judge Purushottam Kumar held (Raj) guilty on Tuesday, and the court sentenced him to



life imprisonment and imposed a fine of Rs 2.10 lakh today. Other cases are pending in the courts," said a Faridabad police spokesperson.

Prosecutors used call records, defendant

statements, and other circumstantial findings to link Singh Raj to the killings. The court applied sections 302 and 364, covering both murder and abduction, in its judgment.

Raj worked as a security guard at a private hospital in Sector 16 in Faridabad and had come under police suspicion during another investigation.

Police said that in 2019, he molested and killed the daughter of a tea vendor. In August 2020, he killed a 12-year-old girl employed at a hospital, and in June 2021, he murdered another minor girl working as a cleaner there.

In addition to these crimes, Raj also confessed to murdering his uncle and cousin, although he had previously been acquitted in that case due to lack of evidence, police added.

Delhi parking fees to double during GRAP III and IV pollution alerts

New Delhi.(Agency)

In an attempt to curb air pollution in the national capital, the Delhi government has decided to increase parking fees. According to a new notification from the Environment Department, parking fees across the city will double whenever the Graded Response Action Plan (GRAP) reaches Phase III (severe) or Phase IV (very severe).

The move is part of the city's efforts to discourage vehicle use during days of high pollution. By increasing parking charges, authorities aim to reduce traffic congestion and limit vehicular emissions, which are major contributors to the city's worsening air quality, sources said. Notably, the Commission for Air Quality Management (CAQM) on Tuesday announced that GRAP-4 restrictions have been withdrawn in Delhi-NCR after a slight improvement in air quality.

Authorities said the decision was taken as pollution levels showed a downward trend compared to the past few days. Despite the rollback, air pollution remains a major issue.

Delhi's AQI continued to be in the 'very poor' category on Wednesday. This marks a marginal improvement from the severe air quality levels that had engulfed the city till the day before Wednesday.

According to the Central Pollution Control Board (CPCB), the city recorded a 24-hour average air quality index (AQI) of 330 at 4 pm. The air quality remained poor across most parts of the capital with 29 monitoring stations recording 'very poor' air quality and nine stations falling in the 'poor' category, as per CPCB's Sameer app. Among them, Nehru Nagar recorded the worst air quality in the evening with an AQI of 383.

As per Delhi's Decision Support System, the transport emerged as the largest contributor to air pollution in the city at 13.5%. Peripheral industries accounted for 10.8% of emissions, while Delhi-based burning contributed 1.2%. Construction activities added 1.7%.

Senior citizen placed under 'digital arrest' on pretext of Delhi blast probe, loses Rs 16.5 lakh

New Delhi.(Agency)

A 75-year-old retired civic official has allegedly been duped of Rs 16.5 lakh by cyber fraudsters who posed as ATS and NIA personnel and placed him under "digital arrest" for interrogation, claiming his name surfaced in the Delhi bomb blast case, police said. The victim, a resident of Andheri (East) in Mumbai, approached the West Region Cyber Police Station on Monday, an official said on Wednesday.

An explosive-laden vehicle detonated outside the historic Red Fort in Delhi on November 10 last year, killing over 12 persons.

According to the police, the victim, a retired official of the Brihanmumbai Municipal Corporation, received a call on December 11 from unidentified persons claiming to be officers from the Delhi anti-terrorism department. The caller threatened him, saying his name had surfaced in the Delhi bomb blast case and that he needed to be interrogated secretly.

The caller then asked the victim to download the Signal application, where he received a video call. During the call, one of the fraudsters posed as National Investigation Agency (NIA) officer Sadanand Date. The caller told the victim that a bank account linked to his mobile number had allegedly received Rs 7 crore through money laundering activities and warned that he would be arrested in the case, the police said.

Citing the seriousness of the matter and its alleged connection to national security, the caller instructed the victim not to discuss the issue with anyone. The fraudsters claimed that the agency needed to verify whether his investments and deposits were from legal sources, and asked the victim to transfer his money to certain bank accounts for verification, a police official said.

Accordingly, the victim deposited Rs 16.5 lakh, following which the caller blocked his number. The victim later approached the cyber police and lodged a complaint, based on which a case has been registered against unidentified persons, the official said.

Digital arrest is a growing form of cybercrime in which fraudsters pose as law enforcement, court officials or personnel from government agencies to intimidate victims through audio and video calls. They hold the victims hostage and put pressure on them to pay money. In December last year, the Supreme Court asked the Central Bureau of Investigation (CBI) to carry out a unified pan-India probe into cases of digital arrest fraud.

I-PAC Got Rs 13.5 Crore Loan From A Company That Doesn't Exist, Probe On

New Delhi.(Agency)

Political consultancy firm Indian Political Action Committee (I-PAC) has come under scrutiny following disclosures in its financial filings that it received an unsecured loan of Rs 13.5 crore in 2021 from a firm based in Haryana's Rohtak that, according to official public records, had ceased to exist years earlier. In its financial disclosures, I-PAC named the lender as Ramsetu Infrastructure India (P) Limited. However, an examination of records from the Registrar of Companies, a central government authority, shows that no such entity appears in the official database. Incorporation documents are available only for a similarly named company, Ramsetu Infrastructure India Private Limited.

According to corporate data aggregator Zauba Corp, Ramsetu Infrastructure India Private Limited was incorporated on December 18, 2013, as a non-government private company engaged in real estate



activities, with an authorised share capital of Rs 5 lakh. The company had two directors - Vijendar and Vikram - both appointed on October 18, 2013. Official records further show that the company was struck off

under Section 248(1) of the Companies Act, 2013, on August 18, 2018. The strike-off indicates that the Registrar took action after the company failed to commence business or ceased operations for two consecutive financial years and did not meet statutory compliance requirements.

Despite this, I-PAC's filings state that it received the loan in 2021, nearly three years after the company was dissolved. When contacted the phone number listed online for Ram Setu Infrastructure India Private Limited, the individual who answered identified himself as Mukesh from Yamuna Nagar in Haryana and denied any association with the company. He also said he had no knowledge of why his number was listed as the firm's contact.

IAS Officer Who Emptied Stadium To Walk Dog Scores Big Delhi Role

New Delhi.(Agency)

IAS officer Sanjeev Khirwar, the new Municipal Corporation of Delhi (MCD) commissioner, had been shunted out of the national capital amid a massive controversy in 2022. Khirwar drew fire in 2022 amid allegations that athletes at Delhi's Thyagaraj Stadium complex were asked to leave early so that the bureaucrat could "walk his dog".

Khirwar is a 1994-batch IAS officer of the Arunachal Pradesh-Goa-Mizoram and Union Territories (AGMUT) cadre. His wife, Rinku Dugga, is also an IAS officer. On May 26, 2022, The Indian Express reported that Thyagaraj Stadium, where young athletes practice, was being closed for sports activities earlier than usual so that

Khirwar, then Delhi's Principal Secretary (Revenue), could walk his dog.

"We used to train till 8-8.30 pm under lights earlier. But now, we are asked to



leave the ground by 7 pm so that the officer can walk his dog on the ground. Our training and practice routine has been disrupted," the newspaper quoted a coach as saying.

Khirwar had then said the allegation was "absolutely incorrect".

He accepted that he "sometimes" took his pet for a walk at the facility but denied that it disrupted the athletes' practice. In the wake of the controversy, Delhi's then Chief Minister Arvind Kejriwal had directed all state-run sports facilities in the city to stay open for sportspersons till 10 pm.

Following the row, the Union Home Ministry transferred Khirwar to Ladakh. He has now been brought back, and Ashwani Kumar, the previous MCD commissioner, transferred to Jammu and Kashmir. The bureaucrat takes charge right before the MCD prepares to present its budget and faces several administrative and financial challenges.

Saraswati Puja, Friday Namaz can both take place tomorrow at disputed Bhojshala: Supreme Court

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court on Thursday ruled that both Hindu and Muslim devotees may offer prayers at the disputed Bhojshala complex in Madhya Pradesh's Dhar on Friday, January 23, as the Saraswati Puja festival coincides with customary Friday prayers. The Court took into consideration a proposal under which Juma prayers would be conducted between 1 pm and 3 pm in a designated area inside the mosque, with the crowd dispersing immediately after the namaz. Similar arrangements would be made to facilitate Saraswati Puja at the site.

"A fair suggestion was given that in the afternoon for namaz within 1 and 3 pm and exclusive and separate area within the same compound including separate ingress and egress within the same compound shall be made available so that Namaz can be performed. Similarly a separate space shall be made available to

the Hindu community to hold traditional ceremonies on the occasion of Basant Panchami," the court said.

The Bhojshala complex, an 11th-century monument protected by the Archaeological Survey of India (ASI), has long been the subject of a religious dispute. Hindus consider it a temple dedicated to Goddess Saraswati, while Muslims claim it as the Kamal Maula Mosque. The Bhoj Utsav Committee had sought permission from authorities to perform Saraswati Puja throughout the day on January 23, while the Muslim community submitted a memorandum seeking approval to offer Friday prayers from 1 pm to 3 pm, citing the significance of the day.

Under an arrangement in place for the past 23 years, the ASI allows Hindus to worship at Bhojshala on Tuesdays, while Muslims are permitted to offer prayers on Fridays.



A similar situation had arisen in 2016, when Basant Panchami fell on a Friday, leading to protests and clashes in Dhar over prayer timings at the disputed site.

SENDS MAIN CASE TO HIGH COURT

The Supreme Court also referred the original dispute concerning the Dhar Bhojshala to the Madhya Pradesh High Court, directing its division bench to take up the matter expeditiously. Disposing of the petition before it, the top court asked the High Court to hear the original dispute within two weeks. It also directed

that the sealed report submitted by the Archaeological Survey of India (ASI) be opened in open court.

"We request the High Court to open the ASI's sealed report in open court," the Supreme Court said, while further directing that copies of the report be furnished to both parties. The parties will be allowed to file their objections to the ASI report within two weeks thereafter. It also ordered that the status quo with respect to the disputed site be maintained until the High Court takes up and hears the matter. The dispute over the Bhojshala has intensified recently due to a court-ordered scientific survey. In March 2024, the Madhya Pradesh High Court ordered a scientific survey to determine the site's original character. The ASI submitted a report in July 2024, reportedly finding evidence of pre-existing temple structures, including Sanskrit inscriptions and defaced Hindu deities.

NEWS BOX

Bangladesh Launches Campaigns For First Post-Sheikh Hasina Polls

CAPE CANAVERAL. (Agency)

Bangladesh begins official campaigning on Thursday for hugely anticipated general elections next month, the first since the 2024 uprising ended the autocratic rule of Sheikh Hasina. The South Asian nation of 170 million people votes on February 12 for 350 lawmakers, ushering in new leadership after prolonged political turmoil following the overthrow of Hasina's government, reshaping domestic and regional power dynamics. It comes against the backdrop of insecurity -- including the murder last month of a student leader of the anti-Hasina protests -- as well as warnings of a "flood" of online disinformation. European Union election observers say the vote will be the "biggest democratic process of 2026". Mass rallies are expected with hundreds of thousands of supporters gathering, as the frontrunners the Bangladesh Nationalist Party (BNP) and the largest Islamist party, Jamaat-e-Islami, formally launch their campaigns. Sufi Shrine

BNP chief and prime minister hopeful Tarique Rahman, 60, who returned to Bangladesh in December after 17 years in exile, is due to address a string of rallies starting in the north-eastern city of Sylhet. Rahman assumed formal leadership of the BNP after the death in December of his mother, 80-year-old former prime minister Khaleda Zia.

Bangladesh, home to one of the world's largest Muslim-majority populations, has a significant Sufi following, and parties have traditionally launched campaigns in Sylhet, home to the centuries-old shrine of Shah Jalal.

Several Missing After Landslides Hit New Zealand Campground

World. (Agency)

A landslide smashed into a campsite in rain-swept northern New Zealand on Thursday, leaving multiple people missing under tonnes of mud. Mounds of earth buried and crushed a shower block at the campsite, which lies at the foot of extinct volcano Mount Maunganui, video and photo images on local media showed. Voices were briefly heard calling for help from beneath the rubble, witnesses and emergency officials said. "Whilst the land's still moving there, they're in a rescue mission," Assistant Police Commissioner Tim Anderson told reporters at the scene. "I can't be drawn on numbers. What I can say is that it is single figures." The landslide hit several camper vans and the shower block at the camp, which lies on the North Island in an area lashed by heavy overnight rain. Visiting Canadian tourist Dion Siluch, 34, said he was relaxing at the now-evacuated Mount Hot Pools complex by the mountain when it hit. "I was in a massage at that mountain pools and the whole room started shaking," he told AFP.

"When I walked out, there was a caravan in the pool, and there's a mudslide that missed me by about 30 feet," Siluch said. "It was all very confusing. I wasn't sure if someone had driven off the road and into the pool. It took me a while to realise that the mountain had collapsed and had pushed everything into the pool."

'People Screaming'

The tourist said he had seen another landslip about an hour earlier but took little notice. Police later arrived by helicopter and told people to evacuate, Siluch said.

Immigration Officers Have Power To Enter Homes Without Judicial Warrant: US Memo

world. (Agency)

Federal immigration officers are asserting sweeping power to forcibly enter people's homes without a judge's warrant, according to an internal Immigration and Customs Enforcement memo obtained by The Associated Press, marking a sharp reversal of longstanding guidance meant to respect constitutional limits on government searches.

The memo authorises ICE officers to use force to enter a residence based solely on a more narrow administrative warrant to arrest someone with a final order of removal, a move that advocates say collides with Fourth Amendment protections and upends years of advice given to immigrant communities.

The shift comes as the Trump administration dramatically expands immigration arrests nationwide, deploying thousands of officers under a mass deportation campaign that is already reshaping enforcement tactics in cities such as Minneapolis.

For years, immigrant advocates, legal aid groups and local governments have urged people not to open their doors to immigration agents unless they are shown a warrant signed by a judge. That guidance is rooted in Supreme Court rulings that generally prohibit law enforcement from entering a home without judicial approval. The ICE directive directly undercuts that advice at a time when arrests are accelerating under the administration's immigration crackdown. The memo itself has not been widely shared within the agency, according to a whistleblower complaint, but its contents have been used to train new ICE officers who are being deployed into cities and towns to implement the president's immigration crackdown. New ICE hires and those still in training are being told to follow the memo's guidance instead of written training materials that actually contradict the memo, according to the whistleblower disclosure. It is unclear how broadly the directive has been applied in immigration enforcement operations. The Associated Press witnessed ICE officers ramming through the front door of the home of a Liberian man, Garrison Gibson, with a deportation order from 2023 in Minneapolis on Jan. 11, wearing heavy tactical gear and with their rifles drawn.

Venezuela's interim president Delcy Rodriguez to visit US

Delcy Rodriguez would be the first sitting Venezuelan president to visit the United States in more than a quarter century -- aside from presidents attending United Nations meetings in New York.

SEOUL. (Agency)

Venezuela's interim president will soon visit the United States, a senior US official said Wednesday, further signaling President Donald Trump's willingness to embrace the oil-rich country's new leader. Delcy Rodriguez would be the first sitting Venezuelan president to visit the United States in more than a quarter century -- aside from presidents attending United Nations meetings in New York. She said Wednesday that she approached any dialogue with the United States "without fear." "We are in a process of dialogue, of working with the United States, without any fear, to confront our differences and difficulties...and to address them through diplomacy," said Rodriguez. The invitation

reflects a head-snapping shift in relations between Washington and Caracas since US Delta Force operatives swooped into Caracas, seized president Nicolas Maduro and spirited him to a US jail to face narco-trafficking charges.

Rodriguez was a former vice president and long-time insider in Venezuela's authoritarian and anti-American government, before changing tack as interim president. She is still the subject of US sanctions, including an asset freeze.

Rodriguez on Wednesday began reorganizing the leadership of the country's military forces, appointing 12 senior officers to regional commands. As a flotilla of US warships remains off the Venezuelan coast, she has allowed the United States to broker the sale of Venezuelan oil, facilitated foreign investment and released dozens of political prisoners. A senior White House official said Rodriguez would visit soon, but no date has been set. All for oil. The last bilateral visit by a sitting Venezuelan president came in the 1990s -- before populist leader Hugo Chavez took power. Since then, successive Venezuelan governments have made a point of thumbing their nose at Washington and building close ties with US foes in



China, Cuba, Iran and Russia. The US trip, which has yet to be confirmed by Venezuelan authorities, could pose problems for Rodriguez inside the government -- where some hardliners still detest what they see as Washington's hemispheric imperialism. Interior Minister Diosdado Cabello and Defense Minister Vladimir Padrino Lopez remain powerful forces in the country, and analysts say their support for Rodriguez is not a given. Cabello on his weekly state television program Wednesday night denied reports he had met with US officials ahead of Maduro's ouster. "It's a campaign. They say, 'Diosdado met with the United States'...I haven't met with anyone," he said. Trump has so far appeared happy to

allow Rodriguez and much of the repressive government to remain in power, so long as the United States has access to Venezuelan oil -- the largest proven reserves in the world. Trump hosted Venezuela's exiled opposition leader and Nobel peace laureate Maria Corina Machado at the White House earlier this month. After initially dismissing Machado and her ability to control the country's powerful armed forces and intelligence services, he said Tuesday that he would "love" to have her "involved in some way." Machado's party is widely considered to have won 2024 elections that Washington said were stolen by Maduro. Analysts say Trump's embrace of Rodriguez and avoidance of wholesale regime change can be explained by an unwillingness to repeat mistakes made in the overthrow of Saddam Hussein in Iraq. "Those kinds of intervention operations -- and the deployment of troops for stabilization -- have always ended very badly," said Benigno Alarcon, a politics expert at the Andres Bello Catholic University in Caracas. Trump's stance has however angered democracy activists who argue that all political prisoners must be freed and granted amnesty.

Kirtida Mekani, Singapore's 'tree lady', dies at 66

World. (Agency)

Kirtida Mekani, who came from Karnataka and became one of Singapore's most influential champions of environmental sustainability, community service and cultural heritage, has passed away after suffering a massive heart at home. She was 66. A recipient of the President's Award for environment work and an inductee of the Singapore Women's Hall of Fame in 2024, Mekani's legacy is woven into the island's green spaces, community gardens, educational institutions and cultural landmarks, reported online tabloid. The sudden passing off "Tree Lady", as she was affectionately called, on January 19 has left a profound void in Singapore's environment, arts, and civic communities -- circles she shaped quietly yet decisively for more than three decades. Mekani's lifelong love for nature began in childhood on her family's farm in Karnataka. A simple yet transformative moment -- discovering how a "smelly" compost

pit turned into fertile soil -- opened her eyes to nature's regenerative power. That early lesson stayed with her, shaping a philosophy that nature, if



understood and respected, could teach humanity how to live sustainably. When she moved to Singapore with her husband Bharat Mekani in 1990, she was immediately struck by the greenery along the drive from the Changi Airport. That image, she often recalled, planted a seed that would later blossom into one of Singapore's most successful citizen-led environmental initiatives. In 1993, Mekani became the founding executive director of the Singapore

Environment Council, where she spent four years designing and implementing more than 50 environmental protection and education programmes for schools, businesses, and communities. Even after stepping down, she remained deeply involved in grassroots environmental education, mentoring young leaders, and advising organisations. Her proudest achievement was the Plant-A-Tree Programme, launched in 2007 in partnership with Singapore's National Parks Board under the Garden City Fund here. The idea initially faced scepticism, with doubts over whether the public would participate. Mekani persisted -- convinced Singaporeans would respond if given the chance to connect personally with nature. She was right. Since its inception, the programme has seen over 76,000 trees planted, introduced more than 200 native species, and involved over 100,000 participants from all walks of life. It remains one of Singapore's most enduring citizen-driven green initiatives.

After Minneapolis, Democrats confront political vulnerabilities as they battle Trump on immigration

WASHINGTON. (Agency)

Democrats had planned to campaign in the midterm elections on affordability and health care, two issues where Americans are particularly unhappy with President Donald Trump.

But the aggressive immigration crackdown in Minnesota, including the killing of Renee Good during a confrontation with federal agents, has scrambled the party's playbook.

Now Democrats are trying to translate visceral outrage into political strategy, even though there's little consensus on how to press forward on issues where the party has recently struggled to earn voters' trust. Some Democrats want to abolish Immigration and Customs Enforcement, a proposal that echoes "defund the police" rhetoric from Trump's first term, and impeach administration officials such as

Homeland Security Secretary Kristi Noem. Others have taken a different approach, introducing legislation intended to curb alleged abuses by federal agents. But those ideas have been criticized by activists as insufficient, and there is mounting pressure to obstruct funding for deportations. "We're Democrats. I'm sure we're going to have 50 different ideas and 50 different ways to say it," said Chuck Rocha, a party strategist who is advising several House and Senate candidates on immigration this year. If Democrats fail to strike the right balance, they could imperil their efforts to retake control of Congress and statehouses around the country. They could also hamper a chance to rebuild credibility with voters whose dissatisfaction with border enforcement under Democratic

President Joe Biden helped return Trump, a Republican, to the White House. Neera Tanden, president of the Center for American Progress and Biden's former domestic policy adviser, believes the party can thread the needle. "It's not too much to ask that we have a government that can produce a secure border, that can deport people who are not legally here, and that can also respect people's civil and human rights," she told The Associated Press. "This country has done that before, and it can do it again."

Violent scenes force a strong Democratic response

Immigration crackdowns have spread from city to city since Trump took office, but the latest operation in Minnesota has generated some of the most intense controversy.

Trump backs down on Greenland and cancels tariff threat after NATO agrees to future Arctic deal

World. (Agency)

President Donald Trump on Wednesday scrapped the tariffs that he threatened to impose on eight European nations to press for U.S. control over Greenland, pulling a dramatic reversal shortly after insisting he wanted to get the island "including right, title and ownership." In a post on his social media site, Trump said he had agreed with the head of NATO on a "framework of a future deal" on Arctic security, potentially defusing tension that had far-reaching geopolitical implications. He said "additional discussions" on Greenland were being held concerning the Golden Dome missile defense program, a multilayered, \$175 billion system that for the first time will put U.S. weapons in space.

Trump offered few details, saying they were still being worked out. But one idea NATO members have discussed as part of a compromise with Trump was that Denmark and the alliance would work with the U.S. to build more U.S. military bases on Greenland.

That's according to a European official familiar with the matter but not authorized to comment publicly. The official, who spoke on condition of anonymity, said it was not immediately clear if that idea was included in the framework Trump announced.

Trump has backed off tariffs before



The president has threatened tariffs before only to back away. In April, after first saying he would slap massive import levies on nations from around the world, which prompted a sharp negative market reaction, Trump eased off. But his change of heart this time came only after he used his speech at the World Economic Forum in the Swiss Alps to focus on Greenland and threatened to upend NATO, an alliance that has been among the globe's most unshakable since the early days of the Cold War. In his address, Trump said he was asking for territory that was "cold and poorly located" and that the U.S. had effectively saved Europe during World War II while declaring of NATO: "It's a very small ask compared to what we have given them for many, many decades."

Iran offers first government-issued death toll from protest crackdown, one far lower than activists

DUBAI. (Agency)

Iran offered its first government-issued death toll Wednesday following a crackdown on nationwide protests, giving a far lower figure than activists abroad as the country's theocracy tries to reassert control after unrest recalling the chaos surrounding its 1979 Islamic Revolution. State television carried statements by the Interior Ministry and the Foundation of Martyrs and Veterans Affairs, an official body providing services to families of those killed in wars, saying 3,117 people were killed. It added that 2,427 of the dead in the demonstrations that began Dec. 28 were civilians and security forces. It did not elaborate on the rest. Iran's government in the past has undercounted or not reported fatalities from unrest. The U.S.-based Human Rights Activists News Agency said the death toll early Thursday was at least 4,902, with many more feared dead. The human rights group has been accurate throughout the years on demonstrations and unrest in Iran, relying on a network of activists inside the

country that confirms all reported fatalities. Other groups similarly have offered higher numbers than the Iranian government tally. The Associated Press has been unable to independently assess the death toll, in part due to authorities cutting access to the internet and blocking international calls into the country. Iran also reportedly has limited journalists' ability locally to report on the aftermath, instead repeatedly airing claims on state television that refer to demonstrators as "rioters" motivated by America and Israel, without offering evidence to support the allegation. Meanwhile, Iranian Foreign Minister Abbas Araghchi issued his most-direct threat yet to the United States, warning the Islamic Republic will be "firing back with everything we have if we come under renewed attack." The comments came as Araghchi saw his invitation to the World Economic Forum in Davos rescinded over the killings, and as a U.S. aircraft carrier group moved west toward the Middle East from Asia. U.S.



fighter jets and other equipment appeared to be moving in the Mideast after a major U.S. military deployment in the Caribbean saw troops seize Venezuela's Nicolas Maduro. Protest death toll rises. The death toll exceeds that of any other round of protest or unrest in Iran in decades, and recalls the chaos surrounding the 1979 revolution that brought the Islamic Republic into being. Although there have been no protests for days, there are fears the toll could increase significantly as information gradually

emerges from a country under a government-imposed shutdown of the internet since Jan. 8. Nearly 26,500 people have also been arrested, according to the Human Rights Activists News Agency. Comments from officials have led to fears of some of those detained being put to death in Iran, one of the world's top executioners.

Mass executions and the killing of peaceful protesters have been two red lines laid down by U.S. President Donald Trump in the tensions.

Araghchi makes threat in column

Araghchi made the threat in an opinion article published by The Wall Street Journal. The foreign minister contended "the violent phase of the unrest lasted less than 72 hours" and sought again to blame armed demonstrators for the violence. Videos that made it out of Iran despite an internet shutdown appear to show security forces repeatedly using live fire to target apparently unarmed protesters, something unaddressed by Araghchi.

NEWS BOX

Rinku Singh underused by India, should have played 100 T20Is by now: Simon Doull

New Delhi. (Agency)

Former pacer Simon Doull said Rinku Singh's T20I opportunities for India have been far too limited, despite his proven match-winning ability. Rinku showcased his finishing brilliance on Wednesday, January 21, scoring an unbeaten 44 off 20 balls, including four fours and three sixes, to help India post 238 for seven and secure a 48-run win over New Zealand in the series opener at Nagpur. Since making his T20I debut in 2023, Rinku has played just 36 matches. He missed out on India's T20 World Cup 2024 squad but earned a spot in the 2026 edition. Doull believes Rinku should have featured in far more T20Is by now, highlighting his exceptional power and composure at the death. He described Rinku as one of the best finishers in the game, whose talent India have clearly underutilised. "Rinku Singh is one of the best finishers in the game. We saw him burst onto the scene in the IPL four or five years ago, and I still feel he hasn't played enough T20 cricket for India since then. He should have featured far more and could



easily have played 100 games by now," Doull told Star Sports. "Rinku needs to be backed in that finishing role because he is exceptional at it. Despite his height, he is incredibly powerful, and his ability to get under the ball at the death makes him extremely difficult to bowl to," Doull added.

INDIA DOMINATE KIWIS

India began their five-match T20I series against New Zealand with a commanding 48-run victory. After New Zealand won the toss and elected to bowl, India delivered a spectacular batting performance, posting 238 for seven in 20 overs—one of their highest T20 totals against the Kiwis. Opener Abhishek Sharma was the star, smashing 84 off just 35 balls with eight sixes, setting the tone for India's aggressive innings. He received strong support from Suryakumar Yadav (32), Hardik Pandya (25), and a blistering knock from Rinku Singh, helping India finish on a high.

Gautam Gambhir reacts to Tharoor's PM Modi post, says pitted against his own team

New Delhi. (Agency)

India head coach Gautam Gambhir created a stir on social media on Thursday, January 22, with his latest tweet. After India's first T20I win against New Zealand in Nagpur, Gambhir reacted to a tweet praising him, but his response hinted that he does not enjoy complete authority over the Indian team, setting off widespread discussion online. The tweet he responded to was posted by Congress MP Shashi Tharoor, who had earlier shared that he met his old friend Gautam Gambhir in Nagpur and held



a frank conversation with the India head coach about the team. Tharoor spoke warmly of Gambhir, describing his role as the second-toughest job in India, behind only that of the Prime Minister, praise that inadvertently led to Gambhir's controversial reply. In Nagpur, enjoyed a good & frank discussion with my old friend Gautam Gambhir, the man with the hardest job in India after the PM's! He is being second-guessed by millions daily but stays calm and walks on undaunted. A word of appreciation for his quiet determination and able leadership. Wishing him all success," Tharoor wrote a day ahead of the opening T20I of the series. Gambhir reacted to the tweet late on Thursday night and hit back at critics who have called him out over the Indian team's transition phase. Gambhir said that, contrary to popular belief, he does not have "unlimited authority" over the Indian team and that clarity would emerge once the dust settles. He kept his remark ambiguous, without making anything explicit. "When the dust settles, truth and logic about a coach's supposedly 'unlimited authority' will become clear. Till then I'm amused at being pitted against my own who are the very best!" Gambhir wrote on Twitter.

No Gill, all thrill: India's hyper aggression returns right before T20 World Cup

IND vs NZ, 1st T20I: India showcased fearless, aggressive batting to pile up 238 against New Zealand in the T20I series opener in Nagpur. With Shubman Gill out of the side, India returned to their belligerent best, each batter playing without fear of failure, while Rinku Singh provided the cushion in the lower middle order.

New Delhi. (Agency)

Gonna be a cracker of a series," tweeted Rajasthan Royals batter Riyan Parag when his former captain Sanju Samson walked out to bat against New Zealand in the first T20I of the five-match series. The mood at the VCA Stadium in Nagpur matched the tweet. Spectators settled into their seats earlier than usual. Nobody wanted to miss a ball when Samson and Abhishek Sharma were at the crease, and nobody did. The beginning of the innings lived up to the anticipation. After seeing off a few deliveries, Abhishek Sharma

launched Jacob Duffy straight down the ground for six. Samson, fully aware that the partnership demanded immediate intent, followed it up by pulling Kyle Jamieson for two boundaries in the second over. Samson's stay, however, was brief. Still in the second over, Jamieson dismissed him with a well-disguised slower ball that Samson chipped to short midwicket. The crowd barely had time to process the dismissal before Ishan Kishan walked out. Away from the team for over two years, Kishan showed no interest in easing himself back in. Instead of taking time to settle, he struck two of his first three balls for four. That burst did not last long either. Misjudging the pace of the ball in the third over, Kishan chipped a catch to cover. India were two down inside three overs.

Six months ago, this would have triggered a familiar response. An anchor would dig in. The innings would slow. Damage control would take over.

But this is not India. Not any more. And certainly not the India that opens with Abhishek Sharma and Shubman Gill. **THE GILL PROBLEM INDIA HAD**

Let's talk about the Gill problem India had. Thrust into the top of the order of the T20I side, Gill struggled to adapt to the tempo of a team that had grown accustomed to driving in sixth gear. Was it Gill's fault? Not really.



India had split an opening pair featuring two batters striking at 190 and 180. Gill played 15 T20Is since the start of the Asia Cup and managed 291 runs at an average of 24.25 and a strike rate of 137.26. Gill is undoubtedly one of the finest young batters going around, but asking him to do something that does not naturally come to him was a failure of the team management and the selectors. What it also did was eat into a finisher's role, as India were forced to play their wicketkeeper in the

middle order. Fortunately, the decision-makers were brave enough to abort the plan just before the T20 World Cup and restore Samson and Abhishek at the top.

With that, Rinku Singh, one of the finest finishers in the game, also got his chance in the lower middle order. Rinku provides the assurance to top-order batters that they can go for the kill without worrying about the length of the batting line-up.

ABHISHEK LEADS THE CARNAGE

And it was evident in the way each and every batter played on Wednesday in Nagpur.

India captain Suryakumar Yadav walked in, danced down a couple of steps to Jacob Duffy, and caressed the ball through the covers for four. It was not just a boundary. It was a statement of intent.

That freedom allowed Abhishek Sharma to fully unleash himself. He rained hell on the New Zealand bowlers, dealing almost exclusively in sixes and racing to 84 off just 35 balls. Around him, the tempo never dipped. Suryakumar chipped in with 32 at a strike rate of 145. Hardik Pandya followed with 25 at 156. Later, Rinku Singh walked in and finished with 44 not out at a strike rate north of 220.

Decoding RCB's bold moves: Turning weakness into winning weapons in WPL 2026

New Delhi. (Agency)

When Royal Challengers Bengaluru walked onto the field against Mumbai Indians in their WPL 2026 opener, the cracks in their batting lineup were impossible to ignore. Nadine de Klerk's late heroics salvaged the innings, but the absence of Ellyse Perry, arguably RCB's most accomplished batter, had left a glaring void. Radha Yadav, with a modest top score of 27 in the WPL, came in at No. 5, and the middle-to-lower order looked perilously fragile. The signs were clear: this batting line-up could be exposed at any moment. Fast-forward through a series of high-pressure games, and RCB have done something remarkable—they've transformed vulnerability into strength. The batting, once a glaring worry, now fires in perfect rhythm with a lethal bowling attack. Young talents have risen in crunch moments, unexpected contributions have shifted momentum, and the team has gelled into a balanced, fearless unit. Sitting unbeaten atop the points table, RCB now epitomises resilience, firepower, and composure—a squad that turned early doubts into dominance, making them one of the most formidable sides in WPL 2026.

GAUTAMI BOLSTERS RCB

After their first game, RCB knew they had a glaring weakness in their batting. The solution was bold—and it paid off spectacularly. The team handed young Gautami Naik her maiden WPL cap, a move



that has already turned heads.

Gautami's introduction wasn't without nerves; her first outing ended in single digits. But the second time at the crease became history. She etched her name in the record books as the first uncapped Indian to score a fifty in the WPL. That night, Gautami was nothing short of sensational, blasting 73 off 55 deliveries against the Gujarat Giants, laced with seven crisp fours and a towering six. Her brilliance propelled RCB to a commanding 61-run victory, earning her the Player of the Match award

and solidifying her place in a lineup that had looked fragile just days before. The story is also one of connections and preparation. Gautami had previously shared the field with RCB skipper Smriti Mandhana while representing Ratnagiri Jets in the Maharashtra Premier League—a mentorship and familiarity that may have given her the confidence to shine on such a big stage. With this fearless display, Gautami didn't just fill a gap; she transformed it into one of RCB's most potent weapons.

RADHA ADDS MORE POWER

If RCB's batting resurgence needed a defining moment, Radha Yadav delivered it in emphatic and unexpected fashion. Primarily known for her crafty left-arm spin, Radha had rarely been seen as a batter capable of shaping an innings. Big scores and rescue acts were not part of the script—until now. Walking in with RCB struggling at 43 for four against the Giants in Navi Mumbai, the pressure was firmly on Richa Ghosh and Nadine de Klerk to steady the ship. Radha, at best, was expected to support. Instead, she seized control. With calm intent and growing confidence, she began rotating strike, punishing loose balls, and slowly wresting momentum away from the opposition.

Babar Azam's stint at Big Bash League: Selling the dream, delivering the dots

New Delhi. (Agency)

When it was announced that Babar Azam would be playing in the 2025–26 season of Australia's Big Bash League, nobody was exactly counting down the days. There was hope, of course. There always is with a player of his reputation. But expectation was kept firmly in check. And as it turned out, the season went much the way many quietly predicted. Babar nudged singles to the covers, looked busy at the crease, and rarely threatened to take the game away from anyone. The loyal fans allowed themselves a moment of optimism. Maybe Australian pitches would suit him. Maybe the shorter boundaries would help. Maybe the colour and noise of the Big Bash would spark something special. Instead, Babar packed his most familiar companion, caution. The cover drive was neat. The placement was tidy. The urgency was



missing. Strike rates stayed in a time zone that felt closer to 2014 than 2026. He is a world-class player and a proven leader," said the club's manager proudly when the deal was announced. And in some ways, he was. Social media enjoyed the signing. Every time Babar walked out, phones came out too. The league got its star. The

sponsors got their pictures. The fans got something else — a front-row seat to the fine art of not making an impact.

Selling the dream, delivering the dots

In a tournament built on risk, innovation and chaos, Babar offered calm. Rather too calm. While others arrived with ramps and reverse sweeps, Babar arrived with a straight bat and a clear plan to avoid trouble. His innings followed a familiar pattern. A careful start. A few neat singles. A boundary now and then, just to remind everyone he still could. 12 off 12. 23 off 20. Scores that looked hardly respectable and barely changed the mood of the match. For Australian crowds, it was a sight to behold. For Pakistan fans, it was familiar viewing. The timing still looked elegant. The intent felt cautious. Every innings carried the same hope that today might be the one where he finally cut loose.



debates. The left-arm pacer also offered a light-hearted take on the challenge of bowling on flat batting surfaces, a recurring theme in modern T20 cricket. Reflecting on conditions in Nagpur, Arshdeep quipped, "First of all, I take God's name. Wicket flat lag rahi hai bhagwanji, aaj thoda bacha lena (the wicket is looking flat God, please save me today)."

Arshdeep's on and off role in team India

Arshdeep's comments come against the backdrop of an on-and-off role across India's white-ball formats. While he has enjoyed a relatively more consistent run in T20Is, his place in the ODI setup has often been uncertain, fuelling discussions among fans and critics alike.

MS Dhoni finally reacts to RCB's IPL 2025 title, leaves fans in splits

MS Dhoni acknowledged Royal Challengers Bengaluru's maiden IPL title with a straightforward, honest response. The CSK legend congratulated RCB and their fans while admitting that, as a competitor, he always wants his own team to win.

New Delhi. (Agency)

Former India skipper and Chennai Super Kings legend MS Dhoni's long-awaited reaction to Royal Challengers Bengaluru's maiden IPL title in 2025 has struck a chord with fans, and that too with his trademark wit. While congratulating RCB on their historic triumph, the CSK fan-favourite Thala admitted that, as a competitor, he

could never truly imagine another team winning the IPL. Speaking at a recent IndiGo fan interaction event, Dhoni was asked about RCB finally lifting the IPL trophy in 2025 after an 18-year wait. The former India captain acknowledged the achievement, praised the quality of cricket played by the Bengaluru franchise, and highlighted the loyalty of their fanbase that stood by the team through years of heartbreak. "If I'm part of CSK, I can't imagine any other team winning the IPL. But it was long-awaited and they played very well. Big congratulations to them and I said it even then," Dhoni said. "But the whole thing is when you are a participant in the competition, you want your team to win. It doesn't always work in your favor but what went wrong and what can we learn from the other teams. That is also crucial in the tournament like this," he added.

The 42-year-old also reserved special praise

for RCB's supporters, widely regarded as among the most passionate in the IPL. "Big congratulations to you. RCB fans have been

on one of the most emotional moments in IPL history.

CB's long-awaited IPL glory

RCB ended their long wait for an IPL title on June 3, 2025, defeating Punjab Kings by six runs in a tense final at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad. Under the leadership of Rajat Patidar, who replaced Faf du Plessis as captain, RCB reshaped their squad, addressed long-standing gaps, and found consistent match-winners across departments. Their title-winning campaign was filled with landmark moments. RCB beat CSK at the Chepauk for the first time since 2008 and also defeated Mumbai Indians at the Wankhede Stadium for the first time since 2015. Having lost three IPL finals previously, Bengaluru finally broke the jinx, delivering a long-awaited maiden title to the fans.



brilliant. Every time there is a game, they come and support their team, even when the chips are down," Dhoni said — a line that resonated strongly across social media.

Clips from the interaction quickly went viral, with fans applauding Dhoni's balanced take

Rubina Dilaik

Thinks Jannat Zubair Is Looking 'Pretty' In Blue Salwar Suit

Jannat Zubair recently shared a series of stunning photos that left fans in awe. The young actress and digital creator looked every bit like Disney's Princess Jasmine in a dazzling aqua blue salwar suit. The outfit featured a minimal lace border along the neck and body, adding a subtle yet elegant touch to her traditional look. Her styling perfectly complemented her graceful and regal aura. Jannat accessorised with matching bangles, antique jhumkas, a statement silver ring, and traditional jutti, enhancing the ethnic charm. She kept her hair casual and opted for minimal makeup, letting her natural beauty shine through. Her poses and flawless styling made the pictures truly eye-catching, quickly turning the post into a favourite among fans. Rubina Dilaik wasted no time before commenting, "Prettyyyyy" to her.



Her poses and flawless styling made the pictures truly eye-catching, quickly turning the post into a favourite among fans. Rubina Dilaik wasted no time before commenting, "Prettyyyyy" to her.

Fans Shower Praise

Jannat captioned the post, "Tu hi hai duniya meri Sab maan liya tujhko," which fans responded to with love and admiration. Comments poured in, with fans writing, "Your elegance and confidence make every look perfect," "You are so pretty," and "Tenu suit suit karda." Clearly, her latest style moment was a hit on social media.

Music Video Sparks Rumours

Adding to the buzz, Jannat has been in the spotlight recently for her collaboration with Indian digital creator and music artist Elvish Yadav. Their new music video, Tere Dil Mein, showcased strong on-screen chemistry between the two. Fans were quick to speculate about whether the pair were dating, with comments like, "This love looks real because their bond feels genuine," and "They look like they are truly in love, that's why it feels so natural." The song, sung by Rito Riba, quickly crossed 1.5 million views and became a trending topic on social media. Despite the growing curiosity, neither Jannat nor Elvish has confirmed any real-life relationship, leaving fans to enjoy their performances and style moments.



Ayushmann Khurrana And Sara Ali Khan's Action Comedy, Backed by Dharma, In Trouble? Karan Johar Reacts



Yesterday, on January 20, reports came in that Ayushmann Khurrana and Sara Ali Khan's action comedy, backed by Karan Johar's Dharma Productions, had landed in some trouble. The report also claimed that the film had been pushed, and that deciding whether it should be released in theatres or on OTT was another roadblock. However, a fresh update on the project states that nothing like that has happened and everything is on track. As per HT City, Karan Johar himself confirmed that there are no roadblocks and everything is going as planned. The portal quoted Johar saying, "This is not true. We have 10 days of shoot left, and we are very much releasing the film theatrically this year." The portal also shared that not only Karan, but the director of the film, Aakash Kaushik, has also confirmed that the film is on track.

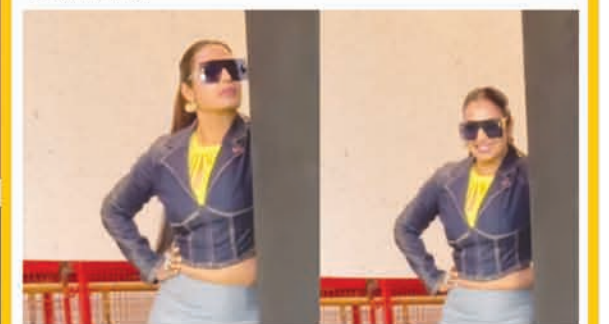
Ayushmann Khurrana and Sara Ali Khan In Pati Patni Aur Woh Do

Apart from the action comedy, Ayushmann and Sara will also be sharing screen space in Pati Patni Aur Woh Do. Earlier, the makers of the film dropped the first poster, introducing Ayushmann as Prajapati Pandey and teasing a world filled with love, laughter, and inevitable marital confusion. The official caption read, "Har pati ki hoti hai, apni ek aflatoon duniya... Jo unko bhale hi satati ho, magar hum sabki badha hasati hai! Introducing the world of #PrajapatiPandey starring #AyushmannKhurrana in #PatiPatniAurWohDo. With #SaraAliKhan, #WamiqaGabbi, and #RakulPreetSingh joining the ride, this #MudassarAziz directorial, produced by Bhushan Kumar and Renu Ravi Chopra, and creatively produced by Juno Chopra, brings laughter, love, and chaos this Holi - 4th March 2026."

The Prayagraj Incident During Shoot

Earlier last year, Pati Patni Aur Woh Do made headlines for an unfortunate reason. During a shoot in Prayagraj, a scuffle broke out between locals and members of the film crew. Viral videos captured a crew member being attacked by a local while filming a car sequence. According to News18, there were rumours that even the director might have been assaulted. In one of the viral clips, Ayushmann and Sara were seen engaged in what looked like a heated exchange, which later turned out to be part of a scene for the film. Local police intervened soon after, ensuring the shoot resumed safely.

Nothing Can Stop Kashmera Shah From Posing In Front Of The Camera



Kashmera Shah is having the time of her life on the sets of Laughter Chefs season 3. In the middle of shooting, Shah posed for a few casual clicks. The actress looked playful and bold in tight-fitting bell-bottoms and a half jacket.

Kashmera Shah also briefly interacted with the paparazzi. Laughter Chefs Season 3 features stars like Krushna Abhishek, Debina Bonnerjee, Gurmeet Choudhary, Tejasswi Prakash, and Karan Kundrra, among others.

Kashmera Shah On The Sets Of Laughter Chefs Season 3

In a brief clip uploaded by Filmygyan, the actress almost collided with a man while flaunting her look for the camera. She recovered quickly and posed by leaning against the wall.

In another YouTube video, the 53-year-old interacted with the paparazzi while on the sets of Laughter Chefs season 3. "Kya dekh raha hai? [What are you looking at?]" she asks someone. "Jalte raho, mein chalte rahungi [Keep being jealous of me, I'll keep making progress]," she added.

Kashmera also asked a photographer if she looked slim. She mentioned that she is following a strict diet to maintain her figure.

Kashmera Shah's Weight Loss Journey

Kashmera Shah welcomed twins with husband Krushna Abhishek in 2017. However, a 2018 indoor party made the ex-Bigg Boss contestant realise she needed to lose weight. Kashmera Shah revealed last year that she lost 14 kgs. "I had organised the party, and the theme was an Indian night. I did not fit into any of my Indian clothes," Kashmera told ET Times. At the time, Shah said she asked for help from Krushna's brother Rishaab.

During the COVID pandemic lockdown in 2020, Kashmera made significant changes to her diet. "I started cooking during the lockdown, which I have never done. I started cooking healthy food," she told the outlet. Kashmera said that because of the food she prepared, her husband Krushna also "started losing weight". "I began eating healthy food, smaller portions," she recalled. She was surprised to see that she had gradually "lost 14 kgs". "I can't express in words the happiness that I got when I fit into my old clothes," she had added.

Tanya Mittal

'Loves' Neelam Giri, Hints At Friendship Revival

Bigg Boss 19 may have ended over a month ago, but the contestants are still making headlines. Tanya Mittal and Neelam Giri, once close friends inside the house, had a public fallout after the show. The tension began when Tanya unfollowed Neelam on social media, hurt by statements Neelam made about her during the



show. Recently, Tanya praised Neelam in an interview with Filmy Window, hinting that their friendship may have been restored. She said, "Honestly, woh ladki itni pyaari hai. Mujhe lagta hai uske mummy-papa ne kuch bohot ache karm kiye honge ki unhein itni achi beti hui. From the very first day, the house was against me. Even on weekends, I was constantly

roasted. But whenever I cried, Neelam was always there for me. She would console me and say, 'You don't know who you are.'"

Neelam Shares Her Side of the Story

Neelam also addressed the issue in an interview with Paras Chhabra. She said that after Tanya's eviction, they met at the finale and spoke properly. "Inside the house, we had made so many plans about meeting and hanging out later, but once outside, things changed. I didn't even have her number, so I was wondering how to get in touch. When I found out Tanya had unfollowed me, I felt really hurt and unfollowed her back," Neelam explained.

Tanya Opens Up About Farhana Bhatt

Apart from Neelam, Tanya also reflected on her strained bond with fellow contestant Farhana Bhatt. She described Farhana as a "negative character" and rejected claims that she befriended Farhana to improve her own image. Tanya said, "Farhana never questioned my status, but she always questioned me as a person. She kept saying I became friends with her to look good. That really hurt me. How would I look good by being friends with a negative character?"

Tanya Responds to Amaal Mallik Allegations

Tanya also addressed allegations from singer Amaal Mallik, who claimed she was running a paid PR campaign against him. Tanya denied the claims, saying, "If I wanted to be associated with Amaal, I would have shared my number and spoken to him. I haven't messaged, called, or tried to meet him. There is no truth in his claims." Even after Bigg Boss 19 wrapped up, friendships, feuds, and controversies among contestants.

